लखनऊ

बुधवार, 9 सितंबर, 202

वर्ष : 12 । अंक: 16

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

आज का काम कल पर मत छोड़ो, क्योंकि समय कभी किसी का इंतज़ार नहीं करता।

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
32°	28°
Hi	Low

संक्षेप

डॉक्टरों से मारपीट करने वाले नेताओं को फौरन लें हिरासत में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- दोषियों को खुला न छोड़ें

नई दिल्ली। अस्पतालों में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ पर बढ़ते हमलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ा और तल्ख रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट आदेश देते हुए कहा कि डॉक्टरों के साथ मारपीट करने वाले राजनीतिक दलों के नेताओं और उनके समर्थकों को तुरंत हिरासत में लिया जाए। महाराष्ट्र में डॉक्टरों पर नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे हमलों की हालिया घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि ऐसे तत्वों को किसी भी सूरत में खुलेआम घूमने की छूट नहीं दी जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह सख्त टिप्पणी कल्याण स्थित शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों पर हमले के मामले में जमानत की शर्तों को चुनौती देने वाली शिवसेना पार्षद रमेश सुक्रिया म्हात्रे की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। कोर्ट के कड़े तेवर को देखते हुए म्हात्रे के वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने याचिका वापस ले ली। सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र सरकार ने पीठ को अवगत कराया कि उसने म्हात्रे की जमानत रद्द करने के लिए पहले ही अर्जी दाखिल कर रखी है। इस पर अदालत ने नोटिस जारी करते हुए मामले की अगली सुनवाई 28 सितंबर के लिए तय कर दी। कोर्ट ने दो टूक कहा कि अस्पतालों के भीतर स्वास्थ्य कर्मियों पर होने वाले हमलों को कतई हल्के में नहीं लिया जा सकता।

गंगा, कोसी, गंडक समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर, बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर

पटना। बिहार में गंगा, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती, पुनपुन और घाघरा समेत कई प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है। जलस्तर में अलग-अलग स्थानों पर वृद्धि और गिरावट के बीच निचले इलाकों में बाढ़ का संकट गंभीर बना हुआ है। जल संसाधन विभाग के मंगलवार की सुबह छह बजे के आंकड़ों के मुताबिक, कई स्थानों पर नदियां खतरे के निशान से एक से करीब तीन मीटर तक ऊपर बह रही हैं। पुनपुन नदी की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक बनी हुई है। श्रीपालपुर में नदी का जलस्तर 53.55 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 50.60 मीटर से 2.95 मीटर ऊपर है। यहां जलस्तर बढ़ने का रुझान जारी है। बूढ़ी गंडक भी खगड़िया में खतरे के निशान से काफी ऊपर बह रही है। यहां जलस्तर 38.56 मीटर दर्ज किया गया, जबकि खतरे का स्तर 36.58 मीटर है। नदी यहां 1.98 मीटर ऊपर बह रही है और जलस्तर बढ़ रहा है। गंगा नदी कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर है। दीघा घाट में जलस्तर 51.54 मीटर, गांधी घाट में 50.31 मीटर और हाथीदह में 43.41 मीटर दर्ज किया गया। इन स्थानों पर नदी क्रमशः 1.09 मीटर, 1.71 मीटर और 1.65 मीटर खतरे के निशान से ऊपर है। हालांकि पटना और हाथीदह के इन स्थानों पर जलस्तर में गिरावट का रुझान है। वहीं, गंगा के निचले इलाकों में जलस्तर बढ़ रहा है। मुंगेर में गंगा 40.08 मीटर, भागलपुर में 34.60 मीटर और कहलगांव में 32.77 मीटर पर बह रही है। इन स्थानों पर नदी खतरे के निशान से क्रमशः 0.75 मीटर, 0.92 मीटर और 1.68 मीटर ऊपर है। कोसी नदी बलतारा में 35.15 मीटर और कुरसेला में 31.40 मीटर पर है। दोनों स्थानों पर नदी खतरे के निशान से ऊपर है और जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई है।

'चिप से शिप तक भारत निर्माण की गाथा लिख रहा'

वडोदरा में जेन-जी से बोले पीएम मोदी, विपक्ष को बताया नाराज फूफा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को गुजरात के वडोदरा पहुंचे। यहां वह नमो फॉर विकसित भारत कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में पहुंचने पर वहां मौजूद युवाओं ने प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत समारोह के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 35000 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया।

'वडोदरा शहर में स्वच्छता से स्वागत अभियान चलाया'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'आज मैं विकसित भारत की यात्रा को और गति देने के लिए आपके बीच आया हूं। अभी जो देश के विकास से जुड़े हजारों करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। मैं देश की जनता को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस विकास पर्व पर आप सभी ने जिस सेवा भाव से और सेवा भाव के साथ, पूरे वडोदरा शहर में स्वच्छता से स्वागत अभियान चलाया है, इसके लिए मैं वडोदरा के हर एक नागरिक को हृदय से बहुत-बहुत बधाई देता हूं, उनकी सराहना करता हूं।

वडोदराऔर धार के बीच नई मेमू को दिखाया हरी झंडी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम के दौरान प्रतापनगर (वडोदरा) और टांडा रोड (धार) के बीच नई मेमू (MEMU) यात्री ट्रेन सेवा और अन्य ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर व्यापार की रीढ़

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'आज 2,800 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर का काम सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर अब देश के व्यापार और वाणिज्य की रीढ़ बन रहे हैं। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तेजी से विकास कर रहे भारत के लिए जीवनरेखा है। इसने देश के परिवहन क्षेत्र को पूरी तरह बदल दिया है। पहले मालगाड़ियां यात्री ट्रेनों के साथ उन्हीं पटरियों पर चलती थीं, जिसके कारण यात्री और माल, दोनों की आवाजाही की रफ्तार धीमी रहती थी। लेकिन डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ने इस स्थिति को बदल दिया है। आज ईस्टर्न और वेस्टर्न कॉरिडोर पर हर दिन 430 से अधिक मालगाड़ियां चल रही हैं। जो मालगाड़ी पहले 100 किलोमीटर की दूरी तय करने में 6.5 घंटे लेती थी, अब वही दूरी आधे से भी कम समय में तय कर सकती है। ट्रक से जिस सफर में आमतौर पर 30 घंटे लगते हैं, वही दूरी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर महज 10 से 12 घंटे में पूरी हो जाती है। नतीजतन, इस कॉरिडोर पर मालगाड़ियों के संचालन से ट्रकों और ट्रेनों, दोनों के ईंधन की बचत होती है, माल ढुलाई की लागत कम होती है, समय बचता है और पर्यावरण को भी फायदा होता है।'

'फूफा' को शिकायत करने के लिए एक नई बात मिल गई

प्रधानमंत्री मोदी ने मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने पिछले 10 साल के दौरान रेलवे में 50 हजार नए आधुनिक कोच जोड़े। इतना ही नहीं हमने मालगाड़ी में 2.50 लाख से ज्यादा वैगन जोड़ा है। हाल ही में जेएनपीटी (मुंबई) से वडोदरा के बीच डबल-स्टैक कंटेनर मालगाड़ी चलाई गई। यानी ट्रेन में एक कंटेनर के ऊपर दूसरा कंटेनर रखा गया था। इस एक यात्रा में मुंबई से वडोदरा तक जितना माल पहुंचाया गया, वह 250 से अधिक ट्रकों के बराबर था। अब आते हैं हमारे 'नाराज फूफा' पर वह शख्स जो तुरंत शिकायत शुरू कर देगा, 'ट्रक ड्राइवरों का क्या होगा? ट्रक कहां जाएंगे? जिन्होंने ट्रक खरीदे हैं, उनका क्या होगा?' खैर, अब 'फूफा' को शिकायत करने के लिए एक नई बात मिल गई है।"

'2004 में की गई थी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की परिकल्पना'

'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, विकसित भारत के लिए हमें ऐसी कनेक्टिविटी की जरूरत है, जो न केवल सुविधाजनक हो, बल्कि समय के साथ कदम मिलाने के लिए पर्याप्त तेज भी हो। वडोदरा गति शक्ति विश्वविद्यालय का घर है। आज डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की अंतिम कड़ियां भी यहीं से जुड़ गई हैं। 2,800 किलोमीटर से अधिक लंबी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना आज पूरी हो गई है। 21वीं सदी के भारत के लिए वास्तव में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। यह डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर इस बात का प्रमाण है कि पिछले 12 वर्षों में देश की कार्य संस्कृति में कितना बड़ा बदलाव आया है। इस डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की परिकल्पना सबसे पहले 2004 में की गई थी... इस परियोजना को पूरा करने के लिए 2006 में एक विशेष कंपनी का गठन किया गया था। लेकिन 2014 तक फाइलें सिर्फ इधर से उधर होती रहीं; वे एक टेबल से दूसरी टेबल तक ही पहुंचती रहीं। और विडंबना देखिए इन फाइलों को भी डेडिकेटेड कॉरिडोर का लाभ नहीं मिला...'

रात में महिला के घर में घुसना, कपड़े उठाना दुष्कर्म की कोशिश नहीं, झारखंड हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली। दुष्कर्म से जुड़े 26 साल पुराने एक मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि केवल रात में किसी महिला के घर में प्रवेश करना और उसके कपड़े उठाना भारतीय दंड संहिता के तहत दुष्कर्म या दुष्कर्म के प्रयास का अपराध नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले में बदलाव करते हुए मामले को महिला की गरिमा भंग करने और आपराधिक बल के इस्तेमाल से संबंधित अपराध माना है।

जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि दुष्कर्म किए जाने के पर्याप्त रूप से निकट कोई प्रत्यक्ष कृत्य भी, परिस्थितियों के आधार पर, भारतीय दंड संहिता के तहत दुष्कर्म के प्रयास का अपराध नहीं माना जा सकता। प्रत्यक्ष कृत्य से आशय अपराध की योजना को पूरा करने की दिशा में उठाए गए वास्तविक और ठोस कदम से है।

अरविंद केजरीवाल की नई टीम का आगाज, PAC में बड़े बदलाव की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने अपने मुख्य संगठन को फिर से व्यवस्थित करने पर काम शुरू कर दिया है। इसके लिए 9 सितंबर को आम आदमी पार्टी की नेशनल काउंसिल की बैठक बुलाई गई है। पंजाब चुनावों से ठीक पहले बुलाई गई यह बैठक इसलिए भी बहुत अहम है क्योंकि इसी प्रक्रिया के ज़रिए नेशनल एग्जीक्यूटिव का चुनाव होता है। इसके बाद पार्टी नेशनल एग्जीक्यूटिव के सदस्यों में से अपनी पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी चुनती है। गौरतलब है कि पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी AAP की सबसे बड़ी फ़ैसला लेने वाली संस्था है। PAC संगठनात्मक गतिविधियों और अहम फ़ैसलों से लेकर चुनाव वाले राज्यों में चुनावी रणनीति और उम्मीदवारों के चयन तक के मामलों पर फ़ैसले लेती है। पार्टी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि 'पूरे देश में AAP के लगभग 500 नेशनल काउंसिल सदस्य हैं। जिन जगहों पर पार्टी का संगठन मौजूद है, वहां हर ज़िले से एक पार्टी कार्यकर्ता नेशनल काउंसिल का सदस्य होता है। पार्टी के चुने हुए सांसद और विधायक भी इसके सदस्य होते हैं। नए सदस्यों का चुनाव पहले ही हो चुका है और अब डिजिटल माध्यम से 9 सितंबर को बैठक तय की गई है।'

मणिपुरी संगीतकार की मौत पर राहुल गांधी ने जताया दुख, बोले-दोषियों को मिले सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में मणिपुरी संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की मौत पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि चोंगथम विक्रम सिंह मणिपुर के एक प्रसिद्ध संगीतकार, अपने घर के बाहर कुछ लोगों से शोर कम करने के लिए कहने नीचे गए थे। उन्हें इसके लिए पीट-पीटकर मार डाला गया। एक पिता की अपने ही घर के बाहर, अपने ही देश की राजधानी में हत्या कर दी गई। ऐसी कई घटनाओं के बाद आज दिल्ली में रहने वाला हर पूर्वोत्तर परिवार एक ही सवाल पूछ रहा है कि क्या हम यहां सुरक्षित हैं?

राहुल गांधी ने कहा कि पूर्वोत्तर के लोगों के खिलाफ बढ़ती अराजकता को रोकने के लिए शाह का गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस क्या कर रहे हैं? मामले की तेजी से जांच होनी चाहिए और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। विक्रम जी के परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। राहुल गांधी ने यह बात मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कही।

विक्रम सिंह की मौत कैसे हुई?

54 वर्षीय चोंगथम विक्रम सिंह दिल्ली के किलोकरी गांव में रहते थे। वह पिछले 17 साल से दिल्ली में निजी संगीत शिक्षक के तौर पर काम कर रहे थे। रविवार रात करीब 11:30 बजे वह कचरा फेंकने के लिए नीचे गए थे। वहां उन्होंने अपने किराए के फ्लैट के बाहर आठ लोगों को शोर और हंगामा करते देखा। ये लोग आसपास के दो ढाबों से जुड़े कर्मचारी बताए गए हैं। विक्रम ने उनके व्यवहार पर आपत्ति जताई। आरोप है कि इसके बाद विवाद हुआ और वह अपने घर की तरफ भागे। समूह ने उनका पीछा किया और तीसरी मंजिल तक पहुंच गया।

बृजभूषण शरण सिंह की बेटी शालिनी की राजनीति में एंट्री की तैयारी, बोलीं-

पार्टी आदेश देगी तो जरूर लड़ूंगी चुनाव

आर्यावर्त क्रांति

बुलंदशहर। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद और बाहुबली नेता बृजभूषण शरण सिंह के परिवार से अब एक और सदस्य सक्रिय राजनीति में कदम रखने जा रहा है। बृजभूषण शरण सिंह की बेटी शालिनी सिंह ने चुनावी और सक्रिय राजनीति में आने के स्पष्ट संकेत दे दिए हैं। बुलंदशहर में एक निजी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि समाज में किसी व्यक्ति की पहचान पार्टी या टिकट से नहीं, बल्कि उसके मजबूत नेतृत्व और जनता के लिए किए गए कार्यों से तय होती है। उन्होंने साफ कहा कि यदि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उन्हें जिम्मेदारी सौंपता है और चुनाव लड़ने का निर्देश देता है, तो वह निश्चित रूप से चुनावी मैदान में उतरेंगी।

15 वर्षों से सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय, संघ से भी गहरा नाता

शालिनी सिंह ने बताया कि वह पिछले करीब 15 सालों से नोएडा और आसपास के इलाकों में सामाजिक सरोकारों से जुड़ी रही हैं और अब राजनीति के जरिए व्यापक स्तर पर जनसेवा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह पक्ष या विपक्ष देखकर नहीं, बल्कि जनता से जुड़े सही मुद्दों पर मुखर होकर आवाज उठाने में विश्वास रखती हैं। शालिनी सिंह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (क्रस्स्) की महिला शाखा 'राष्ट्र सेविका समिति' से भी लंबे समय से जुड़ी हुई हैं और हाल ही में उन्होंने इस शाखा का

आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि को खत्म करने की थी साजिश

CBI कोर्ट के फैसले पर बोले स्वामी रामदेव

नई दिल्ली। देहरादून की सीबीआई कोर्ट से बाबा रामदेव के करीबी सहयोगी और पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने कल उन्हें फर्जी शैक्षणिक और अन्य दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट हासिल करने के 15 साल पुराने मामले से बरी कर दिया। फैसले पर योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि बालकृष्ण को कोर्ट ने निर्दोष साबित किया है जिस पर हमें खुशी है, साथ ही उन्होंने दावा करते हुए कहा कि स्वामी रामदेव, बालकृष्ण और पतंजलि के खिलाफ गहरी साजिश रची गई, लेकिन कोर्ट के फैसले से इसका पर्दाफाश हो गया। आचार्य बालकृष्ण को कोर्ट की ओर से निर्दोष घोषित किए जाने के बाद से पतंजलि योगपीठ में खुशी का माहौल है। इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए स्वामी रामदेव ने कहा कि उनके वरिष्ठ सहयोगी आचार्य बालकृष्ण को देहरादून की सीबीआई कोर्ट ने निर्दोष साबित कर दिया है जिस पर हमें अत्यंत खुशी हुई है।

बालकृष्ण को 15 साल प्रताड़ित किया गया: रामदेव

15 सालों तक आचार्य बालकृष्ण को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। उनका अपयश किया गया, अपकीर्ति की गई। 15 सालों की प्रताड़ना झेलने के बाद हमें कोर्ट ने न्याय दिया है जिसका हम स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी साजिश रची जा रही थी कि बालकृष्ण को 15 सालों तक जेल में रखा जाए, फिर कैद में ही सड़ाया जाए, और इसके बाद जेल में उनकी हत्या कर दी जाए। साथ स्वामी रामदेव के खिलाफ झूठे और फर्जी आरोप लगाए जाएं और उन्हें भी जेल में सड़ाया जाए और पतंजलि को खत्म कर दिया जाए। स्वामी रामदेव ने आरोप लगाया, इस तरह से रामदेव, बालकृष्ण और पतंजलि के खिलाफ एक गहरी साजिश रची गई थी और जिसका अंत देहरादून की सीबीआई कोर्ट ने अपने इस फैसले से कर दिया। बालकृष्ण के निर्दोष साबित होने से यह साफ हो गया है कि आखिरकार जीत सत्य की हुई, सनातन की जीत हुई। सत्य की जीत में इतने साल लग जाएंगे, यह हम लोगों को नहीं मालूम था।

महाराष्ट्र में 68 निवेशकों से 7.09 करोड़ रुपये की ठगी, ठाणे की निवेश कंपनी के छह निदेशकों पर केस

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक निजी निवेश कंपनी के छह निदेशकों के खिलाफ 68 निवेशकों से कथित तौर पर 7.09 करोड़ रुपये की ठगी करने का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि कंपनी के निदेशकों ने निवेशकों को हर महीने भारी रिटर्न देने का भरोसा दिलाकर उनसे पैसे लिए। पुलिस के मुताबिक, यह धोखाधड़ी कई वर्षों तक अलग-अलग कंपनियों के जरिए की गई। पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत वर्ष 2018 में हुई थी। मुंबई के मालाड इलाके में वड़ा पाव की दुकान चलाने वाला एक व्यक्ति उस समय बीमा पॉलिसी खरीदना चाहता था। इसी दौरान उसके एक परिचित ने उसकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से कराई, जो उस समय शेयर ब्रोकिंग कंपनी चलाता था।

पीड़ित ने शुरुआत में कंपनी में 5,000 रुपये जमा किए। इसके बाद उसे हर महीने 5 प्रतिशत रिटर्न देने का वादा किया गया। भरोसा होने पर उसने कंपनी में करीब 3 लाख रुपये और जमा कर दिए। उसे बताया गया कि छह महीने में उसे करीब 1.05 लाख रुपये ब्याज के रूप में मिलेंगे। इसी तरह कंपनी ने दूसरे लोगों को भी ज्यादा मुनाफे का लालच देकर निवेश कराया। कुछ समय बाद जब निवेशक अपना ब्याज लेने मुंबई के कांदिवली स्थित कंपनी के कार्यालय पहुंचे तो उन्हें भुगतान के लिए करीब 45 दिन तक टालते रहे। पुलिस का आरोप है कि इस दौरान निवेशकों पर दबाव बनाकर उनसे हलफनामे पर हस्ताक्षर भी कराए गए। उनसे कहा गया कि उन्होंने जो पैसा दिया है, वह कंपनी में निवेश नहीं बल्कि आरोपी को दिया गया व्यक्तिगत कर्ज है। इसके बाद कांदिवली की शाखा बंद कर दी गई।

2023 में आरोपी गिरफ्तार, जमानत के बाद शुरू की नई कंपनी

पुलिस के मुताबिक, मई 2023 में भांडुप पुलिस ने इसी शेयर ब्रोकिंग कंपनी को चलाने वाले आरोपी को निवेश संबंधी धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया था। हालांकि बाद में उसे जमानत मिल गई। जमानत पर बाहर आने के बाद आरोपी ने एक वीडियो संदेश जारी किया, जिसमें उसने एक नई कॉरपोरेट पहल शुरू करने की बात कही। इसके बाद पुराने निवेशकों को अपना फंसा हुआ पैसा वापस मिलने की उम्मीद जगी।

रद्द चेक और ऑनलाइन रसीद देकर भी टरकाया

निवेशकों को बाद में कंपनी के मुंबई के भांडुप स्थित मुख्य कार्यालय में जाने को कहा गया। वहां उन्हें रद्द किए गए चेक और ऑनलाइन निकासी की रसीदें दी गईं। लेकिन पैसा वापस नहीं मिला। कुछ समय बाद कंपनी की ओर से ईमेल भेजकर बताया गया कि उसके कामकाज को छह महीने के लिए रोक दिया गया है।

रात में महिला के घर में घुसना, कपड़े उठाना दुष्कर्म की कोशिश नहीं, झारखंड हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। दुष्कर्म से जुड़े 26 साल पुराने एक मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि केवल रात में किसी महिला के घर में प्रवेश करना और उसके कपड़े उठाना भारतीय दंड संहिता के तहत दुष्कर्म या दुष्कर्म के प्रयास का अपराध नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले में बदलाव करते हुए मामले को महिला की गरिमा भंग करने और आपराधिक बल के इस्तेमाल से संबंधित अपराध माना है।

जस्टिस प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि दुष्कर्म किए जाने के पर्याप्त रूप से निकट कोई प्रत्यक्ष कृत्य भी, परिस्थितियों के आधार पर, भारतीय दंड संहिता के तहत दुष्कर्म के प्रयास का अपराध नहीं माना जा सकता। प्रत्यक्ष कृत्य से आशय अपराध की योजना को पूरा करने की दिशा में उठाए गए वास्तविक और ठोस कदम से है।

यह फैसला 31 अगस्त को सुनाया गया था और सोमवार को सार्वजनिक किया गया। आरोपी ने घाटशिला सत्र अदालत द्वारा 25 जुलाई, 2006 को सुनाई गई चार साल के सश्रम कारावास की सजा को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

हाईकोर्ट ने आरोपी की सजा में बदलाव करते हुए कहा कि वह मुकदमे के दौरान करीब आठ महीने हिरासत में रह चुका है। अदालत ने माना कि न्याय के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उसके द्वारा हिरासत में बिताई गई अवधि पर्याप्त है।

बरेली में 24 साल बाद बारिश का रिकॉर्ड टूटा... 14 मकान जमींदोज, बिजली घरों में भरा पानी, नदी में 3 युवक बहे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के स्मार्ट सिटी बरेली में रिकॉर्ड बारिश ने शहर से लेकर गांव तक जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। रविवार दोपहर से सोमवार दोपहर तक 24 घंटे में 381.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान देशभर में सबसे ज्यादा बारिश बरेली में हुई। विभाग के पास वर्ष 1981 से अब तक के आंकड़े हैं और 24 घंटे में इतनी बारिश पहले कभी दर्ज नहीं हुई थी। वर्ष 2005 में 267.12 मिलीमीटर बारिश का रिकॉर्ड था, जो इस बार टूट गया।

मूसलाधार बारिश के बाद शहर की सड़कें, मोहल्ले और कॉलोनियां जलमग्न हो गईं। बरेली की VIP रेजिडेंसी कॉलोनी भी इससे अछूती नहीं रही। रेजिडेंसी गार्डन में करीब

छह फीट तक पानी भर गया, जबकि करीब 180 मकानों में पानी घुस गया। घरों में पानी भरने से लोगों के सामने रहने और जरूरी सामान बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। कई लोगों का कहना है कि घरों में रखा कैश और जेवर भी पानी में बह गए।

जलभराव बढ़ने के बाद रेजिडेंसी कॉलोनी के कई परिवारों को घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा। लोगों को ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिए बाहर निकाला गया। कुछ परिवारों ने होटल और अन्य सुरक्षित स्थानों में शरण ली। जलभराव वाले इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई। इससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गईं। सिकलापुर में पानी इतना भर गया कि लोगों को आवाजाही के लिए नाव का सहारा लेना पड़ा। राजेंद्रनगर समेत कई इलाकों की सड़कें पूरी तरह जलमग्न रहीं। सरकारी कार्यालयों में भी पानी भरने से कामकाज प्रभावित हुआ।

नदी से मिली बाइक, एक युवक की पहचान की कोशिश

रेस्क्यू अभियान के दौरान नदी से एक बाइक बरामद हुई। पूर्व चेयरमैन सूरजपाल के मुताबिक, पड़ोसी का बेटा नितिन सोमवार शाम करीब चार बजे अपने पिता की बाइक लेकर आंवला की ओर गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। बरामद बाइक नितिन के पिता की बताई जा रही है। इसके आधार पर एक युवक के बारे में जानकारी मिली है।

मकान गिरने से दो महिलाएं घायल, बच्चे की मौत

लगातार बारिश ने जर्जर मकानों के लिए भी खतरा बढ़ा दिया। शहर के तीन और ग्रामीण क्षेत्रों में दो समेत कुल 14 मकान गिर गए। इन हादसों में दो महिलाओं के घायल होने की जानकारी है। जिले में 15 पेड़ भी गिर गए, जिससे कई स्थानों पर रास्ते बाधित हुए। फतेहगंज पश्चिमी के गांव कुरतरा में बरसाती नाले में डूबने से 10 वर्षीय भास्कर सागर की मौत हो गई। वहीं, डरुआपुर-अतरछेड़ी मार्ग पर अरिल नदी में बाइक सवार तीन लोग बह गए। तीनों की तलाश जारी है।

रेलवे ट्रैक पर पानी, साढ़े तीन घंटे प्रभावित रहा संचालन

भारी बारिश का असर रेल यातायात पर भी पड़ा। बरेली जंक्शन और बरेली सिटी स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर पानी भरने से करीब साढ़े तीन घंटे तक रेल संचालन प्रभावित रहा। दो ट्रेनों को डायवर्ट करना पड़ा, जबकि करीब आधा दर्जन ट्रेनें प्रभावित हुईं। सीबीगंज-बरेली के बीच रेलवे ट्रैक के किनारे खड़े पेड़ की शाखाएं टूटकर डाउन लाइन पर गिर गईं। ये शाखाएं 14674 शहीद एक्सप्रेस के इंजन से टकरा गईं, जिसके बाद ट्रेन रोकनी पड़ी। रेलवे कर्मचारियों ने करीब डेढ़ घंटे की मेहनत के बाद ट्रैक साफ किया, लेकिन इंजन में प्रेशर नहीं बनने से ट्रेन आगे नहीं बढ़ सकी।

14 बिजली उपकेंद्रों में भरा पानी

बारिश के कारण जिले के 14 विद्युत उपकेंद्रों में भी पानी भर गया। सोमवार तड़के करीब चार बजे जलभराव के बाद डीडीपुरम, डेलापीर, कुतुबखाना और सिविल लाइंस समेत कई इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। हालात को देखते हुए कक्षा आठ तक के सभी स्कूलों में दो दिन की छुट्टी घोषित की गई है। रिकॉर्ड बारिश ने बरेली में शहर की पॉश कॉलोनियों से लेकर गांवों तक लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इसी बीच, बारिश के बीच एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। आंवला-अतरछेड़ी मार्ग पर डरुआपुर गांव के पास अरिल नदी पर बने रपटा पुल को पार करते समय बाइक सवार तीन युवक तेज बहाव में बह गए। सोमवार शाम हुए इस हादसे के बाद से तीनों युवकों का कोई पता नहीं चल सका है। सोमवार शाम तीन युवक बाइक से रपटा पुल पार कर रहे थे। उस समय अरिल नदी का जलस्तर काफी बढ़ा हुआ था और पुल के ऊपर करीब एक फुट पानी बह रहा था। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने युवकों को रोकने की कोशिश की और तेज बहाव के बीच पुल पार न करने की चेतावनी दी, लेकिन उन्होंने उनकी बात नहीं मानी। जैसे ही बाइक पुल के बीच पहुंची, तेज बहाव के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया। बाइक फिसलते ही तीनों युवक नदी में जा गिरे। वे कुछ समझ पाते, इससे पहले ही पानी की तेज धारा उन्हें बहाकर दूर ले गई। मौके पर मौजूद एक ग्रामीण ने घटना का वीडियो भी बनाया।

पुलिस और प्रशासन ने शुरू कराया रेस्क्यू

हादसे की सूचना मिलते ही आंवला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों की तलाश शुरू कराई। इसके बाद बिशारतगंज पुलिस भी अभियान में शामिल हो गई। रात में बरेली के डीएम अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे।

प्रशासन ने रेस्क्यू अभियान में एसडीआरएफ और फ्लड पीएसी की एक कंपनी को लगाया है। आसपास के गांवों में भी युवकों की तलाश कराई जा रही है। हालांकि, लगातार बारिश, नदी में तेज बहाव और रात होने के कारण बचाव अभियान में मुश्किलें आ रही हैं।

कलान संस्थान की बस ने उजाड़ दिया परिवार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। गिधौना राइस मिल के पास मंगलवार को तेज रफ्तार और कथित रूप से अनियंत्रित बस ने एक बाइक सवार परिवार को ऐसा कुचला कि देखते ही देखते पूरा परिवार उजड़ गया। कलान स्थित श्री विश्वनाथ संस्थान की बस की टक्कर में बाइक चला रहे प्रदीप गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल उनके पिता राम लौट गुप्ता और माता ने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

बताया गया कि ग्राम अलीपुर मिसिरपुर के नौसढ़आ निवासी प्रदीप गुप्ता अपने माता-पिता के साथ बाइक से जा रहे थे। अलीपुर-मिसिरपुर मार्ग पर गिधौना राइस मिल के पास संस्थान की बस ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रदीप ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने पुलिस की मदद से घायल दंपती को जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उपचार के दौरान दोनों की भी मौत हो गई। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत ने सड़क सुरक्षा और बेलगाम रफ्तार पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे गंभीर बात यह रही कि हादसे के बाद बस चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। जिस बस में विद्यार्थियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी थी, वही बस एक परिवार की जिंदगी निगलकर फरार हो गई। अब सवाल सिर्फ हादसे का नहीं, जिम्मेदारी तय होने का भी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सपा के बैनर तले खुशीराम निषाद के नेतृत्व में सोनावां में हुआ निषाद सम्मेलन

सुलतानपुर। लम्भुआ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बड़ा केवटान, सोनावां, पी०पी० कमैचा में राकेश निषाद व शिव प्रसाद निषाद के संयुक्त नेतृत्व में निषाद जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में निषाद समाज के हजारों लोगों ने भाग लेकर सामाजिक, शैक्षिक एवं राजनीतिक जागरूकता का संदेश दिया।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी से लम्भुआ विधानसभा के भावी प्रत्याशी शिक्षक श्यामलाल निषाद गुरूजी ने कहा कि अब निषाद सिर्फ दूसरे को पार नहीं लगाएगा बल्कि खुद पतवार थामकर सत्ता में आएगा और जो निषादों से छल किये हैं उनकी सत्ता को सत्ताइस में डुबा देंगे। अब हमारे लोगों को भी संकल्प लेना होगा कि वोट हमारा-राज तुम्हारा नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। सम्मेलन के संयोजक राम आश्रय निषाद व सह संयोजक डॉ. सुरेंद्र यादव रहे।

नोएडा का इंजीनियर मॉस्को में अरेस्ट, क्या अब रूसी सेना के लिए करेगा काम? पत्नी ने सीएम योगी से लगाई गुहार

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 62 स्थित एक कंपनी में काम करने वाले इंजीनियर चंदन गुप्ता को मॉस्को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने का मामला सामने आया है। चंदन की पत्नी नेहा गुप्ता ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से पति की सुरक्षित रिहाई के लिए मदद की गुहार लगाई है। महिला का दावा है कि मॉस्को में पुलिस ने उनके पति को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें डर है कि कहीं उन्हें रूस की सेना में शामिल होने के लिए ना भेज दिया जाए।

जानकारी के मुताबिक, कानपुर निवासी चंदन गुप्ता नोएडा के सेक्टर 62 स्तिथ यूप्लेक्स कंपनी में इंजीनियर के तौर पर काम करते हैं। उनकी पत्नी ने सोशल मीडिया पर करीब एक 15 सेकंड का वीडियो

शेयर कर बताया कि वह दोनों कंपनी के जरिए मॉस्को गए थे और वहीं रह रहे थे। पत्नी के मुताबिक, मॉस्को पुलिस ने उनके पति को गिरफ्तार कर लिया और इस मामले में उन्हें गंभीर चिंता सता रही है।

महिला ने वीडियो में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपने पति की मदद करने की अपील की है। उनका कहना है कि उन्हें स्थानीय भाषा नहीं आई, जिसकी वजह से उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। परिवार में उनका 10 साल का बेटा भी है। चंदन की पत्नी का आरोप है उनके पति को मॉस्को डे के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया और जेल में रखा गया है।

महिला को आशंका है कि उनके पति को जबरदस्ती या धोखे से रूसी सेना में शामिल होने के लिए भेजा जा सकता है। इसी आशंका को लेकर उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोगों से वीडियो को अधिक से अधिक शेयर करने और चंदन की मदद के लिए अपील भी की है। इसके बाद से ये मामला सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया है।

महिला ने अन्य वीडियो में क्या बताया?

महिला ने अन्य वीडियो में बताया कि वह लगातार भारतीय दूतवास से संपर्क करने की कोशिश कर रही है। उनके मुताबिक, दूतवास के अधिकारी उनके पति की रिहाई का आश्वासन दे रहे हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त मदद नहीं मिल रही है। उन्होंने दूतवास से अपने पति से मिलने की अनुमति देने की भी मांग की है। मॉस्को स्थित भारतीय दूतवास की ओर से सोशल मीडिया पर महिला की पोस्ट का जवाब दिए जाने की बात भी सामने आई है।

दुतवास ने कहा है कि उसने सोशल मीडिया पर एक भारतीय नागरिक द्वारा अपने पति को लेकर की गई पोस्ट देखी और मामले में महिला तथा स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। दूतवास में यह भी बताया कि कानून परिवर्तन अधिकारियों के मुताबिक, मामला कानूनी प्रक्रिया के तहत जांच में है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में चंदन गुप्ता को रूसी सेना में भेजे जाने की आशंका की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। उनकी पत्नी की ओर से लगाया गया आरोप और दूतवास की प्रतिक्रिया के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सवर्ण परिषद का शक्ति प्रदर्शन, आरक्षण सुधार और यूजीसी नियमों पर गरमाई बहस

आर्यावर्त संवाददाता

जयसिंहपुर/सुलतानपुर। आरक्षण व्यवस्था में सुधार, यूजीसी के नियमों और यूजीसी रोलबैक की मांग को लेकर मंगलवार को बरौसा में राष्ट्रीय सवर्ण परिषद की बैठक हुई। मां गायत्री रेस्टोरेंट में आयोजित बैठक में समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर मंथन के साथ आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि अधिकारों से जुड़े सवालों को मजबूती से उठाने के लिए संगठनात्मक एकजुटता जरूरी है।

अयोध्या मंडल प्रभारी गौरी शंकर शर्मा ने कहा कि समाज की समस्याओं और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए सभी लोगों का एक मंच पर आना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संगठन की शक्ति तभी प्रभावी होगी, जब अधिक से अधिक लोग आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

बैठक में जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र में 16 सितंबर को प्रस्तावित ज्ञापन कार्यक्रम को सफल बनाने पर विशेष चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की तैयारियों और अधिकाधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति पर विचार किया। साथ ही, आने वाले समय में विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित कर समाज को महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रति जागरूक करने का निर्णय लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज की समस्याओं को लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से उठाना है। बैठक में आरक्षण व्यवस्था में सुधार तथा यूजीसी से जुड़े नियमों को लेकर परिषद के रुख पर भी चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि इन मुद्दों को लेकर आगे की गतिविधियां संगठन की सहमति और निर्धारित कार्यक्रमों के अनुसार संचालित की जाएंगी। इस मौके पर राष्ट्रीय सवर्ण परिषद के जिला अध्यक्ष अमित उपाध्याय 'फौजी', जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्य दुबे, एमएसएमई चेयरमैन एवं भाजपा नेता प्रदीप मिश्रा 'सरकार', समाजसेवी सौरभ मिश्रा, अतुल तिवारी, धर्मात्मा पांडेय, नीरज तिवारी, कृष्ण उपाध्याय, धीरेंद्र पांडेय, रामप्रीत पांडेय, शुभम पांडेय, विपिन तिवारी, हरक नारायण मिश्रा, राम नायक तिवारी, राजेश ओझा, सुरेंद्र मिश्रा, सत्यम शुक्ला और आलोक दुबे समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

सड़क के किनारे सूखे जर्जर पेड़ बने जानलेवा

आर्यावर्त संवाददाता

जयसिंहपुर/सुलतानपुर। मामला जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत बरौसा बिरसिंहपुर रोड पर सड़क के किनारे लगभग दर्जनों पेड़ ऐसे सुख गए है कि उनकी हालत बहुत ही जर्जर हो चुकी है। जो राहगीरों के लिए किसी जानलेवा से कम नहीं है ऐसे कई दुर्घटनाएं क्षेत्र की सड़कों के किनारे जर्जर पेड़ो से हो भी चुके है फिर भी विभागीय अधिकारी/कर्मचारी अपनी आंखों को बंद करके किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना की सार्वजनिक स्थानों पर कुछ जर्जर पेड़ो के लिए वन विभाग इंस्पेक्टर से मिलकर और दूरभाष पर भी कई बार बात किया गया फिर भी बरौंसा बैंक के सामने का जर्जर आम का पेड़ अभी तक विभाग द्वारा नहीं काटा गया। जबकि बैंक उपभोक्ताओं की कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो चुकी है और कई लोग घायल भी हो चुके है। जो कि यही स्थित गोपाल पुर चौराहे के मेन चौक पर बनी हुई है जो दो जर्जर पेड़ की डालियां अपने आप गिरती है और राहगीरों/दुकानदारों के लिए आएदिन मुसीबत बनी रहती है चौराहा वासियों के लिए चाहे रात हो या दिन हो 24 घंटे दहशत बनी रहती है।

संक्षेप

पीडीए जन चौपाल की बैठक में उठी सड़क की मांग

सुल्तानपुर। इसौली विधानसभा के ग्राम सभा भीखी का पुरवा उत्तरगांव ब्लॉक - कुड़वार, पोस्ट-अलीगंज बाजार की 70 वर्ष पुरानी 50 मीटर कच्ची सड़क का मामला च्व। जन चौपाल की बैठक श्रीराम इण्टर कॉलेज रवनिया पूरब में उठी आवाज तो स्थानीय विधायक ताहिर खॉ ने तुरंत जारी किया। आदेश इसौली विधानसभा के अध्यक्ष स्वामी नाथ यादव को दिया निर्देश कहा इसी बजट में ये सड़क बननी चाहिए। स्थानीय लोगों ने कहा ये 50 घर यादवों का है इसमें हमेशा समाजवादी पार्टी को वोट देते चला आ रहा है 20 वर्षों से सपा का विधायक रहें हैं। तब से इसका वादा रहा है लेकिन फिर भी कच्ची सड़क रह गई। ग्राम सभा के समाजसेवी दिनेश सिंह बताया हम अपने पैसे से डेढ़ टाली ईंटा डलवाया है और ये भी बताया कि पूर्व में रहे विधायक अनूप संडा से कहा गया था लेकिन उनका क्षेत्र बदल गया नहीं बनी सड़क, उसके बाद दो बार सपा से विधायक रहे स्वर्गीय अबरार अहमद उनसे भी कहा गया था लेकिन सड़क वैसे गड्ढे में रह गई और उसके बाद सपा से वर्तमान विधायक ताहिर खॉ से इसी ग्राम सभा में 28 मई 2026 को गया जगन्नाथ के भण्डारा में आये थे अवगत कराया गया तो विधायक ने आश्वासन दिया था कि ये सड़क बहुत जल्द बन जायेगी लेकिन नहीं बनी स्थानीय लोगों ने कहा इसी ग्राम सभा से कुछ नेता हैं जो कि 20 वर्षों से सपा का दामन थामें हैं और उसी सड़क से उनका भी डेली आना-जाना हैं और आधा दर्जन घरों के लोगों का भी इसी सड़क से आवागमन होता है और इस सड़क का निर्माण आज तक नहीं करा पाये हमेशा विधायक के साथ रहते भी हैं और इसी सड़क के चलते ग्रामवासियों में काफी रोष है।

चाचा भतीजे को सांप नें डसा, चाचा की मौत

कादीपुर/सुलतानपुर। कोतवाली क्षेत्र के बरवारीपुर निवासी कौलेश्वर के पुत्र 40 वर्षीय राकेश व उनके भतीजे 16 वर्षीय मंगलदीप उर्फ शुभम को रात में सोते समय सांप नें डस लिया जिसमें जिला चिकित्सालय में इलाज के दौरान राकेश की मौत हो गई व भतीजे का इलाज जारी है। उक्त सर्पदंश की घटना के बाद परिजनों ने दोनों को स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां से स्थिति गंभीर बने रहने के चलते उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। घर वालों नें बताया कि राकेश दो दिन पहले दिल्ली से घर वापस आया था और घटना के पूर्व खाना खाकर बीती रात राकेश व भतीजा शुभम एक साथ सो रहे थे कि उक्त घटना घटित हो गया।

करोड़ो की लागत से तैयार नए रोडवेज की बिल्डिंग और लबालब परिसर में भरा पानी

सुल्तानपुर। अब इसे धन की बंदरबांट कहे या भ्रष्टाचार की नायाब जादूगरी, जो 2018 में 6.5 करोड़ो की लागत से तैयार नई रोडवेज की बिल्डिंग दरकने लगी, परिसर में इतने बडे-बडे गड्ढे की हर वख्त खतरा बना रहता है की कब कौन गिरकर हाथ-पैर और मुंह तोड़वा न ले,जिस निर्माण/कार्यदायी संस्था ने करोड़ों रुपए की लागत से परिवहन निगम की बिल्डिंग बनवाई है, वह बेहद गैर जिम्मेदारी की मिसाल पेश कर रही है। रोडवेज की बिल्डिंग जगह-जगह दरक रही है, निर्माण के बाद से कोई पुरसाहाल न होने की वजह से बिल्डिंग और संपूर्ण परिसर अपनी बर्बादी पर आंसू बहा रहा है, देखरेख के अभाव में रोडवेज पोर्टिको अब इलेक्ट्रॉनिक बाइक के लिए चार्जिंग प्वाइंट बन गया है, साथ ही स्मैकियों, गजेडियों व शराबियों की रोडवेज परिसर व बिल्डिंग शरण स्थली बन गई है, प्रेमी जोड़ों के लिए सुरक्षित स्थान साबित हो रहा है, बियरबाजों के लिए रोडवेज परिसर किसी वरदान से कम नहीं, यात्रियों के लिए रोडवेज परिसर बेहद असुरक्षित हो गया है, जेबकतरों व धुमंतु गैंग आए दिन यात्रियों को अपना शिकार बना रहे है, दर्जनों महिलाएं व उनके साथ दर्जनों बच्चे यात्रियों के पर्स व कीमती सामान पलक झपकते ही उडा देने की हुनर रखते है। रोडवेज परिसर में होने वाली शंकालु गतिविधियों पर बस स्टाप चौकी इंचार्ज प्रदीप यादव ने कहाकि प्रतिदिन रात्रि पहर में पूरे परिसर में मैं हमराहियों के साथ कई बार जांच-पड़ताल करता हूं संदिग्धों से पूछताछ व उन्हें परिसर से हटाने का काम किया जाता है। चौकी इंचार्ज ने कहाकि महिला पुलिस की व्यवस्था भी अतिशीघ्र हो जाएगी तो महिला यात्रियों के साथ होने वाली घटना पर संदिग्ध घुमंतु/महिलाओं की भी नियमित जांच-पड़ताल होगी।

बरेली में तीन युवक नदी में बहे: तलाश में जुटी एसडीआरएफ समेत कई टीमें, देर रात निकाली गई बाइक

आर्यावर्त संवाददाता

आंवला (बरेली)। बरेली जिले में आंवला-अतरछेड़ी मार्ग पर सोमवार शाम डरुआपुर गांव के पास अरिल नदी पर बना रपटा पुल पार करने के दौरान बाइक अनियंत्रित हो गई। इससे उस पर सवार तीन युवक बाइक समेत नदी की तेज धार में बह गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहले थाना पुलिस और फिर रात में डीएम व एसएसपी मौके पर पहुंचे। फिलहाल, राज्य आपदा मोचक बल (एसडीआरएफ) सहित कई टीमें उनकी तलाश में जुटी हैं। देर रात टीम ने नदी से बाइक बरामद कर ली। तीनों युवकों की पहचान नितिन मौर्य, प्रेम मौर्य और बिशन स्वरूप के तौर पर हुई है। तीनों युवक पुराना बाजार बिशारतगंज वार्ड नंबर 1 के रहने वाले हैं।

डरुआपुर निवासी सौरभ शर्मा

और भीमपुर ग्राम पंचायत के प्रशासक श्रीपाल लोधी ने बताया कि सोमवार शाम साढ़े पांच बजे बाइक सवार तीन युवक रपटा पुल पार कर रहे थे। बारिश में अरिल नदी का जलस्तर और बहाव बढ़ा हुआ है। नदी का पानी पुल से करीब डेढ़ फुट ऊंचा बह रहा है।

ग्रामीणों ने तीनों को रोकने का काफी प्रयास किया। पुल पर न जाने की चेतावनी दी। बावजूद वे नहीं माने और बढ़ते चले गए। पुल पर बाइक अनियंत्रित हो गई। तीनों को संभलने का मौका नहीं मिला। वे पानी में बहते हुए दूर चले गए। पास मौजूद ग्रामीण ने इस घटना का वीडियो भी बनाया।

रात में मौके पर पहुंचे तीनों अफसर

सूचना पर पहुंची बिशारतगंज और आंवला थाने की पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कुछ देर बाद डीएम अविनाश सिंह, एसएसपी अनुराग आर्य, एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह, एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा और एसडीएम सुशील मिश्रा भी पहुंचे।

नितिन लेकर गया था पिता की बाइक

बिशारतगंज के पूर्व चेयरमैन सूरजपाल ने बताया कि पड़ोसी सूरजपाल मौर्य का बेटा नितिन शाम 4:00 बजे अपने पिता की बाइक लेकर आंवला की ओर गया लेकिन लौटा नहीं। रेस्क्यू अभियान के दौरान मिली बाइक नितिन के पिता की ही निकली। इसके बाद तीनों युवकों की पहचान कर ली गई। मंगलवार सुबह से एसडीआरएफ की टीम नदी में तीनों को तलाश कर रही है।

नशे में होने की आशंका

प्रत्यक्षदर्शियों ने अधिकारियों को बताया कि युवक काफी देर से पुल के आसपास दिखाई दे रहे थे। लोगों ने उन्हें पेड़ के नीचे बैठे देखा। शायद वे कोई नशा कर रहे थे।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि मौके पर एसडीआरएफ व एक कंपनी फ्लड पीएसी रेस्क्यू करने में जुटी हैं। रात होने की वजह से दिक्कत आ रही थी। बाइक मिल गई है।

उत्तर प्रदेश को वस्त्रोद्योग का देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए बड़े निवेश को उद्योग जगत उत्साहित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में उद्योग जगत ने बड़े निवेश की इच्छा जताई है। 'यूपी टेक्सटाइल कॉन्क्लेव-2026' के उद्घाटन समारोह में पूर्व राज्यसभा सदस्य, उद्योगपति, समाजसेवी तथा रामकी समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष अल्ला अयोध्या रामी रेड्डी ने प्रदेश में निवेश के लिए उपलब्ध अनुकूल वातावरण की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में हो रहे तेज विकास और बेहतर औद्योगिक वातावरण की प्रशंसा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश उद्योगों के लिए निवेश और विकास की व्यापक संभावनाओं वाला महत्वपूर्ण गंतव्य बनकर उभरा है।रामी रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश जिस गति से आगे बढ़ रहा है, उसी दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश को नई सोच, अनुशासन और प्रभावी प्रशासन के साथ आगे ले जा रहे हैं। प्रदेश में सुरक्षा, स्थिरता और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था से उद्योगपतियों में निवेश का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने कहा कि उद्योगपति ऐसे स्थान पर निवेश करना चाहते हैं, जहां उन्हें सुरक्षित, स्थिर और भरोसेमंद वातावरण मिले। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ संसाधनों से भी समृद्ध है। मजबूत राजनीतिक नेतृत्व और सक्षम प्रशासनिक व्यवस्था उद्योग जगत को प्रदेश में निवेश के लिए विश्वास प्रदान कर रही है।उन्होंने कहा कि वस्त्रोद्योग देश के सबसे पुराने और महत्वपूर्ण उद्योगों में शामिल है। तमिलनाडु ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उत्तर प्रदेश को वस्त्रोद्योग में देश का नंबर एक राज्य बनाने के लिए तमिलनाडु सहित सफल राज्यों के अनुभवों से सीख लेकर प्रदेश की परिस्थितियों के अनुरूप ठोस कार्ययोजना तैयार करनी होगी। इसके लिए सरकार और उद्योग जगत को मिलकर काम करना होगा।रामी रेड्डी ने कहा कि लखनऊ के आसपास तथा प्रदेश के चार-पांच स्थानों पर विकसित किए जा रहे वस्त्रोद्योग केंद्र और पार्क इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे स्पष्ट है कि प्रदेश सरकार वस्त्रोद्योग के विकास को लेकर गंभीर है और इसके लिए दीर्घकालिक तैयारी की जा रही है। स्थिर वातावरण, बेहतर आधारभूत ढांचा और सस्ती उपयोगी सेवाएं उपलब्ध कराने का सरकार का आश्वासन उद्योग जगत के लिए महत्वपूर्ण है। 'काम के पास आवास' की अवधारणा के साथ निजी क्षेत्र की श्रेष्ठ औद्योगिक इकाइयों को इन केंद्रों में लाने से उद्योग और श्रमिक दोनों को लाभ होगा तथा वस्त्रोद्योग का समग्र विकास तेज गति से हो सकेगा।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के वस्त्रोद्योग क्षेत्र में बड़े निवेश की आवश्यकता है और उद्योग जगत इसके लिए प्रतिबद्ध है। देशभर का उद्योग जगत प्रदेश में वस्त्रोद्योग के विकास को लेकर आशान्वित है और इस विकास यात्रा का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश देश के साथ-साथ वैश्विक वस्त्रोद्योग के मानचित्र पर भी मजबूत पहचान स्थापित करेगा।कॉन्क्लेव में प्रीकॉट लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा भारतीय वस्त्र उद्योग परिसंघ के उपाध्यक्ष अश्विन चंद्रन ने कहा कि भारतीय वस्त्र एवं परिधान उद्योग महत्वपूर्ण बदलाव के दौर से गुजर रहा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बदलाव के बीच खरीदार अब केवल लागत ही नहीं, बल्कि गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी, स्थिरता, उत्पादकता और समय पर आपूर्ति को भी प्राथमिकता दे रहे हैं।उन्होंने कहा कि भारत के पास कच्चे माल से तैयार उत्पाद तक पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला और विशाल घरेलू बाजार उपलब्ध है। अगले पांच वर्षों में भारतीय वस्त्र एवं परिधान बाजार को वर्तमान लगभग 180 अरब डॉलर से बढ़ाकर 350 अरब डॉलर और निर्यात को करीब 37 अरब डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य है। इसके लिए बड़े पैमाने पर विस्तार, एकीकृत औद्योगिक तंत्र, तकनीकी उन्नयन तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स के बढ़ते उपयोग की आवश्यकता होगी।

आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को मुख्यमंत्री योगी की चार बड़ी सौगातें

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की 2.91 लाख आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को चार बड़ी सौगातें दीं। मुख्यमंत्री ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय आठ हजार रुपये से बढ़ाकर 12 हजार रुपये तथा सहायिकाओं का मानदेय चार हजार रुपये से बढ़ाकर छह हजार रुपये प्रतिमाह करने की घोषणा की। इसके साथ ही कार्यकत्रियों, सहायिकाओं और उनके परिवारों को हर वर्ष पांच लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा, दो के स्थान पर तीन साड़ियां तथा आंगनवाड़ी केंद्रों को स्मार्ट बनाने के लिए स्मार्टफोन उपलब्ध कराने की घोषणा की गई।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या धाम में समेकित बाल विकास सेवा कार्यक्रम के तहत आयोजित आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में अयोध्या में करीब 12 हजार आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां और सहायिकाएं मौजूद रहीं, जबकि प्रदेश के सभी 75 जिलों में आयोजित कार्यक्रमों से मंत्री, सांसद, विधायक तथा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां और सहायिकाएं जुड़ीं। बुधवार से शुरू होने वाले पोषण माह से पहले आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने महिला कर्मियों को मानदेय वृद्धि, कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा, अतिरिक्त साड़ी और स्मार्टफोन की चार प्रमुख सौगातें दीं।मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन से पहले कार्यक्रम स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टॉलों की जानकारी ली, महिलाओं को पुष्टाहार भेंट किया और कई बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों, पोषण की गंभीर स्थिति से सामान्य स्थिति में आए बच्चों और उनके अभिभावकों तथा एवरेस्ट बेस कैंप अभियान में शामिल बेटियों को सम्मानित किया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में प्रदेश में सरकार बनने के समय आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को महज तीन हजार रुपये मानदेय मिलता था। सरकार ने इसे कार्य प्रदर्शन आधारित व्यवस्था से जोड़ते हुए आठ हजार रुपये किया और अब इसे बढ़ाकर 12 हजार रुपये किया जा रहा है। इसी प्रकार सहायिकाओं का मानदेय पहले 1,500 रुपये था, जिसे बढ़ाकर चार हजार रुपये किया गया और अब इसे छह हजार रुपये प्रतिमाह किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने एएनएम तथा आशा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने गांव-गांव जाकर लोगों की जांच, जागरूकता अभियान और संक्रमित लोगों की सेवा जैसे कार्यों में अपनी जान जोखिम में डालकर योगदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके इस योगदान को देखते हुए सरकार ने उन्हें और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा से जोड़ने का निर्णय लिया है।मुख्यमंत्री के अनुसार प्रदेश की सभी आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं तथा उनके परिवारों को प्रत्येक वर्ष पांच लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस सुविधा का लाभ सूचीबद्ध निजी अस्पतालों के साथ ही सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में भी लिया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि हाल में प्रदेश के करीब 15 लाख शिक्षकों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को पांच लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसी क्रम में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को भी इस व्यवस्था से जोड़ा जा रहा है।मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश की 2.91 लाख आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के लिए साड़ी की धनराशि जारी कर दी गई है। अभी तक उन्हें दो साड़ियां उपलब्ध कराई जाती थीं, लेकिन अब एक अतिरिक्त साड़ी के लिए 500 रुपये और दिए जाएंगे। इस व्यवस्था पर प्रदेश सरकार करीब 20 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार वहन करेगी।आंगनवाड़ी केंद्रों को तकनीक से जोड़ने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले चरण में 1.28 लाख स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जा चुके हैं। स्मार्टफोन के माध्यम से योजनाओं और लाभार्थियों से संबंधित आंकड़ों को वास्तविक समय में दर्ज किया जा सकेगा।

लंबित अनुमोदन और भुगतान को लेकर एफपीओ संगठनों में आक्रोश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की "आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना" के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लगभग 500 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के अनुमोदन लंबित होने, सीबीबीओ एवं एफपीओ संस्थाओं के भुगतान में देरी तथा 30 सितंबर के बाद प्रस्तावित 200 रुपये प्रतिदिन की पेनाल्टी को लेकर किसान उत्पादक संगठनों में नाराजगी बढ़ गई है। संगठनों ने समस्याओं के तत्काल समाधान की मांग करते हुए 9 सितंबर 2026 से कृषि भवन में धरना-प्रदर्शन शुरू करने का निर्णय लिया है। दावा किया गया है कि धरने में करीब 600 किसान शामिल होंगे।कृषि निदेशालय, उत्तर प्रदेश के निदेशक को दिए गए पत्र में कहा गया है कि योजना का उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से संगठित कर उनकी आय बढ़ाना, कृषि आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहित करना तथा किसानों को बेहतर बाजार और कृषि सेवाओं से जोड़ना है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत लगभग 500 एफपीओ का पंजीकरण हो चुका है, लेकिन उनका अनुमोदन अभी तक लंबित है।पत्र में कहा गया है कि पंजीकरण के बाद एफपीओ ने अपने संचालन के लिए मुख्य कार्यकारी अधिकारी और लेखाकार की नियुक्ति, कार्यालय की स्थापना, फर्नीचर व स्टेशनरी की व्यवस्था, किसान सदस्यों को जोड़ने के लिए बैठकों तथा क्षेत्रीय भ्रमण सहित विभिन्न प्रारंभिक गतिविधियों पर अपने स्तर से खर्च किया है। अनुमोदन लंबित रहने के कारण इन संगठनों को गंभीर वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।संगठनों का कहना है कि योजना के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली सीबीबीओ संस्थाओं के वैध भुगतान भी लंबे समय से लंबित हैं।

काकोरी पुलिस ने छह वर्षीय बच्ची को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र में घर से लापता हुई छह वर्षीय बच्ची को पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्ची के सकुशल मिलने पर परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया।पुलिस के अनुसार, मंगलवार को डायल-112 नियंत्रण कक्ष के माध्यम से सूचना मिली कि छह वर्षीय बच्ची घर से कहीं चली गई है। सूचना मिलते ही थाना काकोरी पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार गुप्ता, उपनिरीक्षक शिवम विधूड़ी और उपनिरीक्षक विकास यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर बच्ची की तलाश शुरू कर दी।पुलिस टीम ने आसपास के क्षेत्रों में सघन खोजबीन करने के साथ स्थानीय लोगों से बच्ची के संबंध में जानकारी जुटाई। इसी दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि रायपुर की ओर एक छोटी बच्ची को जाते हुए देखा गया है।

सेवा पखवाड़े में गांव-गांव पहुंचेगा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाने के उद्देश्य से आगामी 'सेवा पखवाड़ा' को व्यापक जनभागीदारी के साथ आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में सोमवार को राज्यों के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं ग्रामीण विकास मंत्री केशव प्रसाद मौर्य लखनऊ स्थित कैम्प कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।बैठक में सेवा पखवाड़े के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी एवं ग्रामीण विकास योजनाओं को पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की गति बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की योजनाओं की अंतिम छोर तक पहुंच सुनिश्चित करने, पात्र लोगों को समय से लाभ उपलब्ध कराने और गांवों में विकास कार्यों को गति देने पर विशेष जोर दिया गया।केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 'सेवा पखवाड़ा' सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प को धरातल पर उतारने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने राज्यों से आह्वान किया कि पखवाड़े के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब उनका लाभ समाज के सबसे जरूरतमंद व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे।उन्होंने ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पात्र लाभार्थियों को समय से सहायता उपलब्ध कराने और गांवों में विकास कार्यों को गति देने पर विशेष बल दिया।

भारतीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण पुस्तकों के निर्माण और ज्ञान-सृजन को बढ़ावा देने पर जोर, बीबीएयू में द्विदिवसीय कार्यशाला का समापन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में बीबीएयू एवं भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय भाषा पुस्तक योजना के राज्य स्तरीय क्रियान्वयन हेतु' विषय पर आयोजित द्विदिवसीय कार्यशाला का मंगलवार को समापन हुआ। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के दिशानिर्देशन एवं संरक्षण में आयोजित किया गया। कार्यशाला के दौरान भारतीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण पुस्तकों के लेखन, प्रकाशन और प्रसार को बढ़ावा देने, भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा शिक्षा और शोध में भारतीय भाषाओं के प्रभावी उपयोग पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ।समापन सत्र में काशी विद्यापीठ, बनारस के प्रो. नरेंद्र नारायण, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रो. सुषमा पाण्डेय, भारतीय भाषा समिति के शैक्षणिक समन्वयक डॉ. चंदन श्रीवास्तव, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, बनारस के प्रो. शैलेश मिश्रा, जवाहर लाल नेहरू स्मारक पीजी कॉलेज, महाराजगंज के प्रधानाचार्य डॉ. अजय मिश्रा तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ. बलजीत कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. उदयन मिश्र ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए की। उन्होंने कार्यशाला के उद्देश्यों और रूपरेखा की जानकारी दी।काशी विद्यापीठ, बनारस के प्रो. नरेंद्र नारायण ने अपने संबोधन में भारतेन्दु हरिश्चंद्र की प्रसिद्ध पंक्तियों 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल। बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल॥' का उल्लेख करते हुए भाषा के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक पहचान, ज्ञान-विकास और सामाजिक चेतना में उसकी भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के विचार, संस्कृति, इतिहास और ज्ञान को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है।प्रो. नारायण ने विभिन्न देशों में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार तथा अध्ययन-अध्यापन के लिए किए जा रहे प्रयासों की चर्चा करते हुए हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता पर प्रकाश डाला। उन्होंने मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह 'दिनकर', भारतेन्दु हरिश्चंद्र और मुंशी प्रेमचंद जैसे साहित्यकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन रचनाकारों ने हिंदी साहित्य को समृद्ध करने के साथ-साथ समाज में जागरूकता, राष्ट्रीय चेतना और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि हिंदी को केवल साहित्य और संवाद की भाषा तक सीमित रखने के बजाय शिक्षा, शोध और ज्ञान-सृजन की सशक्त भाषा के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।भारतीय भाषा समिति के शैक्षणिक समन्वयक डॉ. चंदन श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय भाषा पुस्तक योजना के राज्य स्तरीय क्रियान्वयन के लिए आयोजित कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य भारतीय इतिहास, संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा की ओर पुनः लौटना तथा उस पर गंभीरता से कार्य करना है। उन्होंने कहा कि भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा में शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, गणित, दर्शन, कला और जीवन मूल्यों से संबंधित व्यापक ज्ञान मौजूद है। आवश्यकता इस बात की है कि इस ज्ञान को भारतीय भाषाओं के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए और आधुनिक संदर्भों के अनुरूप विकसित किया जाए।उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण पुस्तकों का निर्माण और उनका व्यापक प्रसार भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ विद्यार्थियों को अपनी जड़ों, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षण संस्थानों, लेखकों, प्रकाशकों और संबंधित संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर भी बल दिया।दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर की प्रो. सुषमा पाण्डेय ने कहा कि कोई भी देश अपनी निज भाषा के माध्यम से ही वास्तविक और व्यापक प्रगति कर सकता है।

संक्षेप

बकाया रकम मांगने पहुंचे दुकानदार पर लोहे की रॉड से हमला, पारा थाने में मुकदमा दर्ज

लखनऊ। थाना पारा क्षेत्र में सीमेंट और सरिया की दुकान से लिए गए निर्माण सामग्री की बकाया धनराशि मांगने पहुंचे एक व्यक्ति पर लोहे की रॉड से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के संबंध में मोहम्मद सैफ पुत्र फखरुद्दीन, निवासी वजीर बाग, थाना सहादतगंज, लखनऊ ने 7 सितंबर 2026 को थाना पारा में लिखित तहरीर दी।तहरीर के अनुसार मोहम्मद सैफ के भाई नसरुद्दीन की सीमेंट एवं सरिया की दुकान है। आरोप है कि पिंटू शर्मा ने मकान निर्माण के लिए उक्त दुकान से सीमेंट, सरिया तथा अन्य निर्माण सामग्री ली थी, जिसकी बकाया धनराशि का भुगतान नहीं किया गया था। इसी बकाया रकम का भुगतान मांगने के लिए 7 सितंबर को शाम करीब 6:30 से 7 बजे के बीच नसरुद्दीन पिंटू शर्मा के घर पहुंचा था। उस समय उसके साथ मोहम्मद सलमान भी मौजूद था।तहरीर में आरोप लगाया गया है कि बकाया धनराशि मांगने पर पिंटू शर्मा ने गाली-गलौज शुरू कर दी और घर से बाहर आकर लोहे की रॉड से नसरुद्दीन के सिर पर वार कर दिया। हमले में नसरुद्दीन के सिर में चोट आई। मौके पर मौजूद मोहम्मद सलमान ने बीच-बचाव कर नसरुद्दीन को बचाया। आरोप है कि घटना के बाद पिंटू शर्मा ने नसरुद्दीन को जान से मारने की धमकी भी दी।घायल नसरुद्दीन को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार कराया गया। घटना के संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना पारा पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 632/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 110, 115(2), 352 और 351(3) में मुकदमा दर्ज किया है।मामले की विवेचना उपनिरीक्षक विभोर सिंह द्वारा की जा रही है। थाना पारा पुलिस के अनुसार प्रकरण में आवश्यक साक्ष्य संकलित किए जा रहे हैं और विवेचना में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवती गंभीर घायल, उपचार के दौरान मौत

लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र में तेलीबाग बाजार के निकट मंगलवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवती को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 6:45 बजे डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली कि तेलीबाग बाजार के निकट स्थित वरदानी हनुमान मंदिर के पास किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवती घायल हो गई है। सूचना मिलते ही थाना पीजीआई पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए घटना के संबंध में आवश्यक जानकारी जुटाई।जांच के दौरान घायल युवती की पहचान तहसीन बानो उर्फ रिदा, उम्र करीब 21 वर्ष, पुत्री खुर्शीद अहमद, निवासी बृज विहार कॉलोनी, तेलीबाग, थाना पीजीआई, लखनऊ के रूप में हुई। पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से उसे तत्काल एसजीपीजीआई ट्रॉमा सेंटर-2 पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।घटना की जानकारी पुलिस द्वारा तत्काल मृतका के परिजनों को दी गई। सूचना मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस द्वारा दुर्घटना में शामिल अज्ञात वाहन और उसके चालक की पहचान के लिए आसपास के क्षेत्र में जानकारी जुटाई जा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर वाहन और चालक का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है।

बीमारी से परेशान 48 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ। बीकेटी थाना क्षेत्र के भैंसामऊ गांव में बीमारी से परेशान एक 48 वर्षीय व्यक्ति द्वारा अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए राम सागर मिश्र 100 शैय्या चिकित्सालय, साढ़ामऊ ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 10 बजे अरविंद पुत्र स्वर्गीय मनोहर लाल, उम्र करीब 48 वर्ष, निवासी भैंसामऊ, थाना बीकेटी, लखनऊ ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। घटना की जानकारी होने पर परिजन तत्काल उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।घटना के संबंध में 100 शैय्या चिकित्सालय के पत्रवाहक राजकुमार मिश्रा द्वारा आवश्यक कार्रवाई के लिए थाना बीकेटी पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद मृतक के पुत्र अजीत रावत ने थाने पहुंचकर लिखित प्रार्थना पत्र दिया। प्रार्थना पत्र में बताया गया कि उनके पिता काफी समय से बीमारी से परेशान थे और इसी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया।पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अरविंद लंबे समय से लीवर संक्रमण से पीड़ित थे और बीमारी के कारण मानसिक रूप से परेशान रहते थे। हालांकि घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए पुलिस द्वारा आवश्यक जांच-पड़ताल की जा रही है।थाना बीकेटी पुलिस द्वारा मृतक के शव की पंचायतनामा कार्रवाई नियमानुसार की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की कार्रवाई के साथ पुलिस घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा विवेचना के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण और कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के लिए वितरण शिविरों का आयोजन

लखनऊ। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रदेश के पात्र दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के लिए जनपद स्तर पर वितरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में दिव्यांगजन सशक्तीकरण निदेशालय की ओर से सभी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।विभाग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्रथम चरण में प्रदेश के 75 जनपदों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। प्रथम समूह में शामिल 41 जनपदों में 17 सितंबर 2026 को वितरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस समूह में आगरा, अलीगढ़, एटा, अयोध्या, सुलतानपुर, आजमगढ़, बरेली, बदायूं, बांदा, देवरिया, कुशीनगर, गोंडा, झांसी, कानपुर नगर, उन्नाव, मेरठ, मुरादाबाद, सहारनपुर, जौनपुर, गोरखपुर, कन्नौज, प्रयागराज, शामली, वाराणसी, मिर्जापुर, गाजीपुर, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती, फतेहपुर, प्रतापगढ़, संतकबीर नगर, बिजनौर, इटावा, हापुड़, ललितपुर, मथुरा, रामपुर, सीतापुर, कौशाम्बी, हरदोई और बुलन्दशहर शामिल हैं।द्वितीय समूह में शामिल 34 जनपदों में 2 अक्टूबर 2026 को वितरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस समूह में लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, चन्दौली, बलरामपुर, चित्रकूट, अम्बेडकर नगर, अमरोहा, फिरोजाबाद, जालौन, कानपुर देहात, खीरी, महाराजगंज, मऊ, पीलीभीत, रायबरेली, सम्भल, शाहजहांपुर, सोनभद्र, अमेठी, औरैया, बागपत, बाराबंकी, भदोही, फर्रुखाबाद, गाजियाबाद, हमीरपुर, हाथरस, कासगंज, महोबा, मुजफ्फरनगर, बहराइच, बलिया, बस्ती और मैनपुरी जनपद शामिल हैं।विभागीय कार्यक्रम के अनुसार वितरण शिविरों का द्वितीय चरण 20 अक्टूबर से 15 नवंबर 2026 तक तथा तृतीय चरण 3 दिसंबर से 15 दिसंबर 2026 तक प्रदेश के सभी जनपदों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया जाएगा। निदेशालय द्वारा संबंधित जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार शिविरों के सफल आयोजन के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार कर उसका शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।राज्य सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण, सशक्तीकरण, आत्मनिर्भरता तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएं और कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरण योजना भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से पात्र दिव्यांगजनों तक शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध तरीके से पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।वितरण शिविरों के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध कराए जाएंगे। विभाग का उद्देश्य इन उपकरणों के माध्यम से दिव्यांगजनों की दैनिक गतिविधियों को अधिक सुगम बनाना, उनकी गतिशीलता और कार्यक्षमता में वृद्धि करना तथा उन्हें अधिक आत्मनिर्भर बनाना है। सरकार की इस पहल से प्रदेश के दिव्यांगजनों को उनकी जरूरत के अनुसार सहायता उपलब्ध कराने के साथ उनके सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण को भी गति मिलने की उम्मीद है।

भारत में अमीर और गरीब की खाई बढ़ती जा रही

प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल भी लाल किले से भाषण दिया आत्मनिर्भर भारत की सबसे ज्यादा बात कही। लेकिन दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता पहले कभी भी इतनी नहीं रही है। इसी तरह मोदी जनधन खाते, आधार और मोबाइल के हवाले दावा करते हैं कि भारत में बड़ी आबादी को अर्थव्यवस्था से जोड़ा जा रहा है लेकिन असल में इतनी असमानता कभी नहीं रही। प्रधानमंत्री मोदी ने नारा दिया था कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा लेकिन भ्रष्टाचार का ऐसा इकोसिस्टम देश में इससे पहले कभी नहीं बना था। इन्सॉलवेंसी एंड बैंकरप्सी कोड यानी आईबीसी लूट का कानून है। इस कानून के आधार पर एनसीएलटी और एनसीएलएटी में जो हो रहा है वह दुनिया के सामने है। अभी देश के एक कारोबारी सुभाष चंद्रा की खबर आई है कि उनका 22 हजार करोड़ रुपए का कर्ज साढ़े छह करोड़ रुपए में सेटल हुआ है। याना 21 हजार नौ सौ 93 करोड़ से ज्यादा रुपए बट्टेखाते में गए हैं! लेकिन सरकार की उपलब्धि बताने वाले सुहेल सेठ जैसे लोग सोशल मीडिया में पोस्ट लिख रहे हैं कि पहले 2014 में बैंकों का एनपीए 11 फीसदी था और अब 0.4 फीसदी रह गया है। एनपीए कैसे कम नहीं रहेगा, जब हर साल बैंकों का बकाया बट्टेखाते में डाल दिया जाएगा या आईबीसी के जरिए उसे खत्म कर दिया जाएगा तो एनपीए कहां से होगा! सरकार ने पिछले 12 साल में 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बट्टेखाते में डाले हैं और हर साल हजारों करोड़ रुपए आईबीसी के जरिए साफ किए जा रहे हैं।

अगर आत्मनिर्भरता की बात करें तो दुनिया के देशों खास कर चीन पर भारत की निर्भरता इतनी बढ़ती जा रही है कि भारत उसका आर्थिक गुलाम बनने की ओर बढ़ रहा है। पहली बार चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया। यानी चीन को हम जितना सामान बेचते हैं उससे 10 लाख करोड़ रुपए ज्यादा का सामान खरीदते हैं। भारत की फार्मा इंडस्ट्री से लेकर कृषि सेक्टर तक ज्यादातर सेक्टर ऐसे हैं, जिनका काम चीन के भरोसे चल रहा है। जिन सेक्टर में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात कही जा रही है उसमें भी चीन के बगैर काम नहीं चलेगा। और यह स्थिति इसके बावजूद है कि चीन लगातार भारत की जमीन हड़प रहा है और भारत को पेट्रोलिंग प्वाइंट से पीछे कर रहा है। 2020 में गलवान में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारत के 20 जवान शहीद हुए थे। उसके बाद चीन से कारोबार बंद होना चाहिए तो तो कारोबार बढ़ता जा रहा है।

नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने थे तब भारत अपनी जरुरत का 81 फीसदी तेल आयात करता था। उस समय मोदी ने कहा था कि भारत इस आयात को धीरे धीरे कम करेगा। उन्होंने कहा था कि भारत तेल की खोज और रिफाइनिंग क्षमता को बढ़ाएगा। लेकिन उलटा हुआ। तेल और प्राकृतिक गैस की खोज नहीं हुई उलटे ईंधन का आयात बढ़ कर लगभग 90 फीसदी पहुंच गया। तेल और गैस खोजने वाली भारत की सबसे बड़ी कंपनी ओएनजीसी का सारा कैश गायब हो गया और एक्सप्लोरेशन का काम लगभग ठप्प हो गया। ऊर्जा से लेकर उपकरण और एआई तक सबमें भारत दूसरे देशों पर निर्भर है।

अगर भारत में बढ़ती असमानता की बात करें तो पेरिस की वर्ल्ड इनइक्विलिटी लैब की विश्व असमानता रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में अमीर और गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। देश की कुल संपत्ति का करीब 40 फीसदी हिस्सा ऊपर के एक फीसदी लोगों के पास हैं। देश के अमीर 10 फीसदी लोगों के पास कुल संपत्ति का 65 फीसदी हिस्सा है। अगर आय की बात करें तो देश की ऊपर की 10 फीसदी आबादी का आय में हिस्सा 58 फीसदी है, जबकि नीचे की 50 फीसदी आबादी का आय में हिस्सा सिर्फ 15 फीसदी है। दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले भारत में अरबपतियों की संख्या ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। चुनिंदा लोगों के हाथों में संपत्ति और आय का केंद्रीकरण ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना महामारी ने देश के असंगठित क्षेत्र और लघु व मझोले उद्यम को लगभग खत्म कर दिया। सरकार की नीतियों के कारण कोरोना महामारी के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में 'के शेपÓ का विकास हुआ, जिसमें अमीर और अमीर होते गए, जबकि गरीब और नीचे जाते चले गए।

अन्न का आरोग्य और संस्कार के साथ सीधा संबंध

इन परंपराओं को हम केवल अंधविश्वास से नहीं बल्कि अपने स्वास्थ्य को ठीक रखने के उद्देश्य से आज भी निभाते आ रहे हैं।

विनीत नारायण

हम तेज़ी से एक बीमार देश बनते जा रहे हैं। हम बीमारी को डाक्टरी इलाज से ठीक करने में लाखों रुपया गवां देते हैं लेकिन बीमारी के कारणों को समझ कर जड़ से खत्म करने की कवायद नहीं करते। जबकि सच्चाई यह है कि अगर हम अपने धर्मशास्त्रों के अनुसार अपने भोजन और दिनचर्या को संचालित करें तो आधुनिक जीवन की चकाचौंध के बीच भी हम पूरी तरह स्वस्थ रह सकते हैं।

आप भारत के किसी भी शहर या कस्बे में घूम कर देखिए तो सबसे ज़्यादा दुकानें अंग्रेज़ी दवाओं की मिलेंगी या पैथोलॉजी टेस्ट और एमआरआई आदि करने वाले सेंटर मिलेंगे या पचासों नर्सिंग होम व अस्पताल मिलेंगे। ज़ाहिर है कि हम तेज़ी से एक बीमार देश बनते जा रहे हैं। हम बीमारी को डाक्टरी इलाज से ठीक करने में लाखों रुपया गवां देते हैं लेकिन बीमारी के कारणों को समझ कर जड़ से खत्म करने की कवायद नहीं करते। जबकि सच्चाई यह है कि अगर हम अपने धर्मशास्त्रों के अनुसार अपने भोजन और दिनचर्या को संचालित करें तो आधुनिक जीवन की चकाचौंध के बीच भी हम पूरी तरह स्वस्थ रह सकते हैं। हज़ारों सालों से ऋषि मुनियों ने अपने अनुभव और ज्ञान के आधार पर इन धर्मशास्त्रों की रचना की थी जो कलयुग के प्रारंभ में छिन्न-भिन्न हो गए। इसलिए नेमिशारण्य में शौनक ऋषि के नेतृत्व में देश भर के कोने-कोने से अ_सी हज़ार ऋषि वहाँ ज्ञान चर्चा के लिए एकत्र हुए और लंबे व गहरे चिंतन व संवाद के बाद उस ज्ञान को लेकर पुनः भारत के कोने-कोने में पहुँच गए। उनके द्वारा दिए गए ज्ञान का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ा और ये पद्धतियाँ समाज में स्वीकृत और प्रतिष्ठित हो गई, जिनके अनुसार हम आज भी कुछ सीमा तक आचरण कर रहे हैं।

उदाहरण के लिए फागुन पूर्णिमा को होलिकोत्सव करना, मकर संक्रांति के दिन तिल और गुड़ के लड्डू खाना और दान करना। सूर्य-चंद्र ग्रहण के समय खाना-पीना नहीं या फिर गणेश जी के पूजन के लिए दूर्वा का, शंकर जी के पूजन के लिए बेलपत्र का और विष्णु पूजन के लिए तुलसी पत्र का प्रयोग करना उसी परंपरा का प्रभाव है। इसी तरह विजयदशमी को शस्त्र पूजन करना, पाटी पूजन करना या विद्वानों को दक्षिणा देना, दीपावली के पहले अपने आवास की लिपाई-पुताई करना और लक्ष्मी पूजन के बाद दीपोत्सव करना। ये सब शास्त्र शुद्ध पद्धतियों का समावेश कर, जिन ग्रंथों की रचना की गई उन्हें धर्मशास्त्र कहते हैं। धर्म वही है जिसे प्रजा धारण करे यानी उसके अनुसार आचरण करे तो समाज को स्थिरता प्राप्त होती है।

यही बात हमारे दैनिक आहार और पाक-क्रिया पर भी लागू होती है। हमारा आहार शास्त्र और पाक शास्त्र धर्मशास्त्रों का ही एक महत्वपूर्ण अंग है। जरा सोचें कि अधिकांश लोगों का भोजन, दाल-चावल, रोटी-सब्ज़ी होगा, यह किसने तय किया? दाल-सब्ज़ी को छौंकने का आविष्कार किसने किया होगा? श्राद्ध में उड़द की दाल की पकौड़ी, कचौड़ी, इमरती खाना और होली के दिनों में खजूर और ज्वार खाना और चैत्र के महीने में कड़वे नीम का रस पीना ये किसने और कब तय किया होगा?

इन परंपराओं को हम केवल अंधविश्वास से नहीं बल्कि अपने स्वास्थ्य को ठीक रखने के उद्देश्य से आज भी निभाते आ रहे हैं। इसी तरह दक्षिण भारत में इडली डोसा, महाराष्ट्र में वरण और भात, राजस्थान में दाल-बाटी और सैंगरी, गुजरात में भकड़ी और सुखड़ी, पंजाब में परांठे और लस्सी, उड़ीसा में पखालभात, बंगाल में माछ-भात, ये कैसे और कब हमारी दिनचर्या में आए और आज भी हम इनका पालन

करते हैं।

इसी तरह, भोजन बनाने की विभिन्न पद्धतियां, विभिन्न मसालों का प्रयोग, शुद्ध घी या फिर सरसों, तिल या नारियल के तेल का प्रयोग, भोजन परोसने की विभिन्न पद्धतियां, उनको पकाने और खाने के लिए विभिन्न धातुओं के पात्रों का प्रयोग किसने और कब सिखाया होगा? युगों से जो हम करते आए हैं वह हमें बहुत ही सहज और स्वाभाविक लगता है। पर विचार करने पर आश्चर्य होता है कि उन ऋषियों की समग्र बुद्धि और सूक्ष्मता पर, जिन्होंने इस विज्ञान को स्थापित किया। भोजन बनाना, परोसना और उसका आस्वादन करना, यह तत्वज्ञान है, यह यज्ञ है, शास्त्र है, कौशल है, कला है, रसास्वादन है, प्राणों की पुष्टि है, इन्द्रियों और मन का सुख है और यह हमारा संस्कार है। एक साथ पोषण, तोषण, संस्कार, आनंद और आत्म दर्शन है।

अपनी संस्कृति के इन मूल तत्वों के कारण, भारत चिरंजीव बना है। इस वास्तविकता को अब पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। परंतु हम स्वयं ही आज इन बातों से विमुख हो गए हैं। मैकॉले की आजतक लागू शिक्षा पद्धति ने हमारी सोच को पूरी तरह बदल दिया है। अपने रीति-रिवाज़ों, परंपराओं, पद्धतियों और ख़ान-पान व पहनावे का सम्मान करने की बजाए हम उनका उपहास करना, आलोचना करना और उपेक्षा करना अपने आधुनिक होने का प्रमाण मानते हैं। हम अन्न को पवित्र मानने के स्थान पर उसे बाज़ार में बिकने वाला एक सामान्य पदार्थ मानने लगे हैं। अन्न का आरोग्य और संस्कार के साथ सीधा संबंध है, इस बात को भूल कर केवल स्वाद की संतुष्टि के लिए ही उसे ग्रहण करते हैं। इसलिए देश में अन्न का संकट और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का संकट बढ़ गया है। जैस कोई हीरे को पत्थर समझ कर फेंक दे, वैसे ही हमने अपने शास्त्रों को फेंक दिया है और पश्चिम की बाज़ारू संस्कृति के गुलाम बन गए हैं। हमारे दैनिक जीवन में ऑनलाइन आनेवाला भोजन इसका प्रमाण है। जिसका परिणाम है आधुनिक चिकित्सा का दिन-दूना और रात-चौगुना बढ़ता कारोबार। उपरोक्त ज्ञान का आधार पुनरुत्थान प्रकाशन सेवा ट्रस्ट, कांकरिया, अहमदाबाद से प्रकाशित एक अत्यंत मूल्यवान ग्रंथ 'आहारशास्त्र' है जो आज हर घर में होना चाहिए। मात्र पाँच सौ रुपए का यह ग्रंथ पढ़कर हर महिला अपने घर को निरोगी, सुखी व संपन्न बना सकती है।

इसी क्रम में याद आया कि कई बरस पहले अमरीका के कई बड़े शहरों में अपनी व्याख्यान माला के दौरान, लॉस एंजलेस से सैनहोज़े की फ्लाइट में एक वृद्ध अमरीकी महिला, जो मेरे साथ बैठी थीं, उनसे मैंने पूछा कि वे कहाँ जा रही हैं? वे बोलीं अपनी नातिन के पास। क्योंकि वो फ़ोन पर कहती है, नानी आपका बनाया खाना मुझे बहुत अच्छा लगता है। मम्मी जो पका-पकाया खाना बाज़ार से लाती हैं उसमें कोई स्वाद नहीं है। इसलिए मैं कुछ दिनों के लिए उसके पास जा रही हूँ। उनकी ये बात सुनकर मुझे अपनी माँ और नानी के बनाए खाने का स्वाद मुंह में आ गया।

व्यंग्य

ईंधन निश्चित रूप से हानिकारक

अपने यहां चर्चाओं के अभिजात्यवादी स्वरूप का ही उदाहरण है कि ई-20 का चलन बढ़ने पर खाद्य सुरक्षा एवं जल उपलब्धता को लेकर आने वाली चुनौतियों की ओर किसी पक्ष ने पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है।

वी. अनंत नागेश्वरन ने पेट्रोल में इथॉनोल की मिलावट पर चल रही बहस में साहसी हस्तक्षेप किया है। उन्होंने सरकार की ओर से पेश दलीलों से अलग विवेकपूर्ण राय सामने रखी है। उचित होगा कि केंद्र अपने मुख्य आर्थिक सलाहकार की बातों पर ध्यान दे और उनके परामर्श के मुताबिक आचरण करे। ई-20 ईंधन पर जारी विवाद में अब तक चर्चा इससे वाहनों को संभावित नुकसान पर केंद्रित रही है। जबकि नागेश्वरन ने इससे संबंधित एक अधिक दूरगामी महत्त्व के पहलू की चर्चा कर बहस को अधिक व्यापक आयाम दिया है। यह हमारे समाज में चर्चाओं के अभिजात्यवादी स्वरूप का ही परिणाम है कि ई-20 का चलन बढ़ने पर उससे खाद्य सुरक्षा एवं जल उपलब्धता को लेकर आने वाली चुनौतियों पर किसी पक्ष ने पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है।

नागेश्वरन की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने इस मुद्दे पर भी रोशनी डाली है। आर्थिक मामलों के मंत्रालय में कंसल्टैंट आकाश पुजारी के साथ एक अखबार में लिखे लेख में नागेश्वरन ने ध्यान दिलाया कि इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ना और अनाज- खासकर मक्के का उपयोग होता है। इसकी मांग बढ़ने पर किसान अधिक जमीन पर इन फसलों की खेती के लिए प्रेरित हो सकते हैं। इससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा एक लीटर इथेनॉल बनाने के लिए हजारों लीटर पानी की जरूरत पड़ती है।

जिस समय भू-जल के नीचे जाने की समस्या से कई राज्य जूझ रहे हैं, इथेनॉल का उपयोग बढ़ाने का मतलब जल संसाधनों पर दबाव बढ़ाना होगा। भारत अगर ई-27 या ई-30 जैसे उच्च मिश्रणों की ओर बढ़ा, तो यह दबाव और बढ़ेगा। वाहनों को नुकसान और माइलेज घटने संबंधी चिंताओं को भी नागेश्वरन ने सिरे से खारिज नहीं किया है। बल्कि कहा है कि ई-20 से रबर सील और काब्र्यूरेटर वाले पुराने वाहनों में समस्या हो सकती है। तकरीबन आठ करोड़ पुराने दोपहिया वाहनों के लिए तो यह ईंधन निश्चित रूप से हानिकारक है। इसलिए उन्होंने ई-10 को वापस लाने तथा जल एवं फसल संबंधी चिंताओं का ठोस आकलन करने की सलाह दी है। सरकार को अविलंब और बेहिचक इस दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए।

ब्लॉग

बच्चों की मौत का जिम्मेदार कौन?

डॉ. रमेश ठाकुर

मानवीय हिमाकतों के चलते दिल्ली में और एक बड़ी दर्दनाक घटना घट गई। सत्य निकेतन के मोतीनगर स्थिति एक सालों पुरानी जर्जर हालत की बिल्डिंग मौत बनकर रिमझिम बारिश में भरभराकर गिर पड़ी। घटना की सूचना पाकर पहुंचे बच्चों के परिजनों की चीखें कलेजा फाड़ रही हैं। परिजन बिलख रहे हैं,मांए बदहवास और बेसुध हैं। स्थानीय पुलिस और हुकुमती अधिकारियों का घटनास्थल पर जमघट लगा है। राहत-बचाव कार्य जारी है। घायल बच्चे एम्स के ट्रामा सेंटर भिजवाए जा रहे हैं। लेकिन वहां से कुछ बच्चों के ना रहने की सूचनाएं हर किसी को झकझोर रही हैं। बिल्डिंग में रहने वाले बच्चे तकरीबन बाहरी प्रदेशों के थे। वह अपना उज्जवल भविष्य बनाने की चाह लेकर शिक्षा ग्रहण करने पहुंचे थे। पर, उन्हें क्या पता हादसों का रूप ले चुकी दिल्ली उनकी जान लील लेगी। पढ़ने वाले बच्चों के साथ दिल्ली में आए दिन कोई न कोई हादसा होता ही रहता है। राजेंद्र नगर स्थिति कोचिंग सेंटर की बेसमेंट में पानी भरने से हुई बच्चों की मौत को शायद ही कोई भूल पाया हो। मुखर्जी नगर की कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना को याद करके भी रोंगटे खड़े होते हैं।

इस तरह की प्रत्येक घटनाओं पर जिम्मेदार अधिकारियों और नेताओं का हमेशा से एक ही बयान होता है। दोषी बख्शे नहीं जाएंगे, सख्त कार्रवाई होगी? इसके अलावा मृतकों के परिजनों को मुआवजा और घायलों की इलाज कराकर मामला रफा-दफा कर दिया जाता है और जब तक मीडिया में घटना की चर्चाएं होंगी, कार्रवाई के नाम पर सरकारी डंडा पीटा जाता रहेगा। शोर जैसे ही शांत होगा। जांच-पड़ताल ठंडे बस्ते में चली जाएंगी। जमीदोज हुई बिल्डिंग में ज्यादातर विश्वविधायल में पढ़ने वाले और सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले मात्र 20-22 आयु के बच्चे रहते थे। मालिक ने बिल्डिंग को करीब 30 सालों से पीजी के लिए किसी अन्य को किराए पर दिया हुआ था। बिल्डिंग मानकों के एकदम विरुद्ध निर्मित हुई थी। क्षेत्रफल मात्र 55 गज का था जिसमें 30 कमरे बना रखे थे। बिल्डिंग 40 से 45 साल पुरानी बताई जाती है। जबकि, देखने में इससे भी कहीं पुरानी लगती थी। मालिक पर मुकदमा हुआ है। एकाध महीने बाद उसे जमानत मिल जाएगी। उसी जगह पर फिर से दूसरी बिल्डिंग तान दी जाएगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में बने पीजी को लेकर 'इंडियन जियोटेक्निकल कॉन्फ्रेस' ने कुछ वर्ष पहले एक रिसर्च किया था जिसमें पाया था कि 85 फीसदी पीजी बच्चों के रहने के लायक नहीं हैं। इस तरह की रिसर्च रिपोर्ट को भी हुकूमतों ने दरकिनार किया। हादसे का शिकार हुई बिल्डिंग के निर्माण में घोर मानवीय हिमाकत का

हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय-समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंगों का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है।

तांडव किया गया था। दिल्ली नगर निगम से लेकर, पुलिस, फायर ब्रिगेड और सरकार के अधिकारियों ने घूस खाया। घटनास्थल साउथ दिल्ली का सत्य निकेतन क्षेत्र है जिसे डूब या निचला-धरातल क्षेत्र भी कहते हैं। वहां बिल्डिंग बनाने की मात्र ढाई मंजिला इजाजत होती है। पर, अधिकारियों ने घूस खाकर पांच मंजिला तक बनवा दिया। दिल दहला देने वाले हादसे को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि बिल्डिंग में अवैध निर्माण होता रहा और जिम्मेदार लोग आंख मूंदकर तमाशबीन बने रहे। इतना ही नहीं, करीब 40 साल पुरानी इस बिल्डिंग में बारिश के दौरान हर साल बेसमेंट जलमग्न हो जाता था, जिससे इसकी नींव कमजोर होती गई और इस साल बजन नहीं सहन कर पाई जिससे भराभरकर ढह गई।

हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय-समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंगों का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है। कहने को तो अवैध हैं लेकिन अधिकारी घूस लेकर उसे चंद मिनटों में वैध कर देते हैं। दिल्ली में इस समय करीब 1731 अवैध कॉलोनियां और 650 से लेकर 675 झुग्गी झोपड़ियां हैं जिनमें ज्यादातर किराएदार ही रहते हैं। दिल्ली ऐसा शहर है जहां देश के सभी प्रांतों के लोग रोजी रोटी कमाने आते हैं। शिक्षा का हब भी दिल्ली है। जहां सिविल सेवा की तैयारियां करने बच्चे दूर-दराज से पहुंचते हैं। 5 लाख बच्चे सालाना सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करने दिल्ली के मुखर्जी नगर आते हैं, रहने के लिए उन्हें पीजी चाहिए होता है। ऐसे में बच्चे सस्ता पीजी खोजते हैं, लेकिन उन्हें क्या पता सस्ता घर उनकी जान ले लेगा? वहीं, करीब 15 लाख बच्चे अन्य प्रदेशों के दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों में अध्ययनरत हैं। जहां हादसा हुआ, उस इलाके में तकरीबन घर पीजी में तब्दील हैं। पीजी के नाम पर बड़ा नेक्सस उस इलाके में चलता है जिसका मकान होता है वह खुद पीजी संचालित नहीं करता, बल्कि वह किसी अन्य को ठेके पर दे देता है। ठेकेदार बच्चों को कमरों में भूसे की तरह ठूस देते हैं। जहां ना कोई सुविधा, न मानकों का इस्तेमाल, सिर्फ उन्हें कमाने से मतलब होता है।

हादसे वाली बिल्डिंग गिरने का संकेत कुछ वर्षों से दे रही थी? लेकिन ना मालिक ने गौर किया और ना ही अधिकारियों ने? पिछले साल तीसरे माले की सीढ़ियों की छत का उपरी हिस्सा गिरा था जिसे रिपेयर करवाकर संभावित हादसे पर पर्दा डाल दिया गया। बिल्डिंग में 50 के आसपास बच्चे रहते थे। सभी यूपी-बिहार राज्यों से वास्ता रखते हैं। हादसा रविवार को होता है जिस दिन ज्यादातर बच्चे अपने कमरों में थे क्योंकि उस दिन क्लासें और ट्यूशन की छुट्टी थी। शनिवार रात को बच्चे बेखौफ होकर सोए थे, उन्हें नहीं पता था कि अगले दिन उनके साथ क्या होने वाला है। कुछ बच्चों की जाने चली गई है? कई गंभीर रूप से घायल हैं। घटना निसंदेह दुखदायक है। हादसे की जिम्मेदारी अधिकारियों को लेना चाहिए और सीख लेकर भविष्य में इस तरह की बिल्डिंग को पहले ही जमींदोज करने का संकल्प भी लेना चाहिए।

मस्जिद ध्वस्तीकरण मामला: मुख्यमंत्री योगी पर अभद्र टिप्पणी, यूट्यूबर गिरफ्तार, पोस्टर मामले में संदिग्ध पकड़े

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। सहारनपुर कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के ध्वस्तीकरण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कथित अभद्र टिप्पणी करने के मामले में यूट्यूबर और सामाजिक कार्यकर्ता हुदा जरीवाला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनका शांतिभंग में चालान कर जेल भेज दिया। इसके साथ ही पोस्टर लगाने और माहौल बिगाड़ने के प्रयास के आरोप में अलग-अलग स्थानों से कई संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

अधिवक्ता दुष्यंत सिंह की ओर से कोतवाली सदर बाजार में दी गई तहरीर के मुताबिक हुदा जरीवाला सोमवार को सर्किट हाउस पहुंची थीं। बताया गया कि सपा प्रतिनिधिमंडल के साथ जाने को लेकर उनकी पुलिसकर्मियों से कहासुनी हुई। महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें वहां से

हटाने का प्रयास किया, लेकिन वह वहां से नहीं हटीं। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो सामने आया।

सोशल मीडिया वीडियो में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी

पुलिस के अनुसार वायरल वीडियो में हुदा जरीवाला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सहारनपुर के जिलाधिकारी को लेकर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करती नजर आ रही हैं। वीडियो में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के ध्वस्तीकरण को लेकर भी बयानबाजी की गई है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस सक्रिय हुई और कोतवाली सदर बाजार पुलिस ने हुदा जरीवाला को हिरासत में ले लिया। बाद में शांतिभंग में उनका चालान कर गिरफ्तार किया गया।

पोस्टर लगाने के मामले में भी कार्रवाई

मस्जिद प्रकरण के बीच सोमवार रात देहात कोतवाली पुलिस ने सोशल मीडिया पर लोगों को एकत्र होने से संबंधित पोस्ट डालने के मामले में एक सपा कार्यकर्ता को हिरासत में लिया। बताया गया कि उसे छुड़ाने के लिए देहात कोतवाली पर लोगों की भीड़ भी पहुंची। वहीं, कोतवाली सदर बाजार पुलिस ने अस्पताल पुल पर विवादित पोस्टर लगाए जाने के मामले में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

पुलिस की सोशल मीडिया पर लगातार नजर

एसपी सिटी व्योम बिंदल ने बताया कि पुलिस टीमें सोशल मीडिया पर लगातार नजर रख रही हैं। पुलिस वायरल पोस्ट, वीडियो और गतिविधियों की निगरानी के साथ माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों की पहचान कर रही है।

मस्जिद ध्वस्तीकरण के बाद बढ़ी पुलिस सक्रियता

सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के ध्वस्तीकरण के बाद शहर में राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियां बढ़ गई हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर सामने आ रहे वीडियो और पोस्ट तथा विभिन्न स्थानों पर लगाए गए पोस्टरों को लेकर पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है।

जेसीबी गहरे गड्ढे में जा गिरी, चालक बचा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जाफराबाद नगर पंचायत क्षेत्र में मंगलवार को उस समय बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब नगर पंचायत की जेसीबी गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में जेसीबी चालक बाल-बाल बच गया। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। नगर पंचायत की जेसीबी मोहल्ला मल्हद में गड्ढा खोदने के लिए गई थी। काम पूरा करने के बाद जेसीबी वापस लौट रही थी। इसी दौरान झंझरी मस्जिद के पास इंटरलॉकिंग सड़क किनारे बनी दीवार पर जेसीबी का भार पड़ गया। दबाव बढ़ने से दीवार अचानक भरभरा कर गिर गई। दीवार के ढहते ही जेसीबी का संतुलन बिगड़ गया और वह फिसलकर सड़क किनारे बने गड्ढे में जा गिरी। अचानक हुए हादसे से चालक घबरा गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और इसकी सूचना नगर पंचायत कार्यालय को दी। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए जेसीबी चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे में चालक के बाल-बाल बचने से लोगों ने राहत की सांस ली। घटना के बाद काफी देर तक मौके पर लोगों की भीड़ लगी रही। नगर पंचायत प्रशासन की ओर से जेसीबी को गड्ढे से बाहर निकालने की कार्रवाई की गई।

सांप-सीढ़ी खेल के जरिए समुदाय को डायरिया रोकथाम की सीख

» पीएसआई इंडिया ने आशा कार्यकर्ताओं के लिए तैयार किया विशेष पोस्टर

आर्यावर्त संवाददाता

फर्रुखाबाद। बारिश और उमस के इस बदलते मौसम में बच्चों के स्वास्थ्य का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है 1 ऐसे मौसम में जरा सी लापरवाही बरतने पर बच्चे डायरिया समेत अन्य संक्रामक बीमारियों की चपेट में आसानी से आ सकते हैं 1 यह बातें नगरीय स्वास्थ्य केंद्र साहबगंज की चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंजली गोस्वामी ने मंगलवार को आशा कार्यकर्ताओं को पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) द्वारा डायरिया नियंत्रण व रोकथाम के लिए तैयार किए सांप-सीढ़ी खेल के पोस्टर प्रदान करते हुए कहीं।

डॉ. अंजली ने कहा कि बच्चे को दिन में दो से तीन बार पानी जैसी पतली दस्त आए तो आशा कार्यकर्ता द्वारा दी जाने वाली जिंक की गोली और ओआरएस का सेवन बच्चे को बताई गयी मात्रा के अनुसार ही कराएं ताकि बच्चे के शरीर में पानी की कमी न होने पाए 1 इसके साथ ही नजदीकी आशा कार्यकर्ता या स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करना चाहिए 1 यह डायरिया नियंत्रण और रोकथाम के लिए यह बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय स्तर पर आशा कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित की जाने वाली बैठकों के दौरान सांप-सीढ़ी के खेल के माध्यम से जनसमुदाय को डायरिया के प्रति आसानी से जागरूक किया जा सकेगा। इस मौके पर आशा कार्यकर्ताओं ने डायरिया की रोकथाम में पूरा सहयोग देने की शपथ ली 1 बैठक में पीएसआई इंडिया के अनुपम मिश्र, गावी से अरफत अंसारी, लैब टैक्नीशियन आदर्श सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

'सर तन से जुदा' का नारा देश की संप्रभुता को चुनौती, बरेली हिंसा के आरोपी तौकीर रजा की जमानत अर्जी खारिज

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि 'गुस्ताख-ए-नबी की एक ही सजा, सर तन से जुदा' नारा कानून और देश की संप्रभुता-अखंडता को चुनौती देता है। यह नारा लोगों को सशस्त्र विद्रोह के लिए उकसाने वाला है। इसकी तुलना 'नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर', 'जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल', 'जय श्री राम' या 'हर-हर महादेव' जैसे धार्मिक नारों से नहीं की जा सकती।

इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव ने बरेली में 26 सितंबर 2025 को हुए दंगे के मामले में आरोपी मौलाना तौकीर रजा खान व डॉ.नफीस को जमानत देने से इन्कार कर दिया है। हालांकि, अन्य आरोपियों की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली।

बरेली हिंसा के आरोपी तौकीर रजा की जमानत अर्जी खारिज

बरेली हिंसा मामले में कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप था कि तौकीर रजा ने इस्लामिया इंटर कॉलेज के मैदान पर लोगों को इकट्ठा होने और मुस्लिम समुदाय पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए उकसाया था। रोक के बावजूद 200 से 250 लोग पहुंचे थे।

पुलिस ने भीड़ को रोकने का प्रयास किया तो 'सर तन से जुदा' के नारे लगाते हुए पथराव कर दिया था। पेट्रोल बम और फायरिंग की गई थी। इस दौरान कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

सार्वजनिक संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया गया था। मामले में तौकीर रजा को मुख्य आरोपी बनाया गया था। इस पर उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दायर की। वह 27 सितंबर 2025 से जेल में हैं।

याची पक्ष की दलील

याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि वह निर्दोष हैं। उन्हें राजनीतिक दुर्भावना से मामले में फंसाया गया है। उन्होंने हिंसा के लिए कोई अपील नहीं की और न ही वह घटना के समय मौके पर मौजूद थे। 26 सितंबर को घर में नजरबंद कर दिया गया था।

राज्य सरकार का पक्ष

राज्य की ओर से अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी ने दलील दी कि आरोपी ने 19 सितंबर 2025 की बैठक में लोगों से इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान पर नमाज के बाद पहुंचने की अपील की थी। घटना के बाद आरोपी ने सह-आरोपी के घर से वीडियो के माध्यम से बड़ी संख्या में पहुंचने वाले लोगों को धन्यवाद दिया और उनके कृत्यों की सराहना की।

कोर्ट ने कहा...कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले कृत्यों को नहीं दी जा सकती मंजूरी

कोर्ट ने पाया कि आरोपी ने शुक्रवार की नमाज के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों को इस्लामिया इंटर कॉलेज के मैदान में एकत्र होने का आह्वान किया था। इसके लिए प्रशासन की अनुमति नहीं ली गई थी।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट, दंगा, सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करना और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाले कृत्यों को मंजूरी नहीं दी जा सकती। सभी परिस्थितियों और रिकॉर्ड पर विचार करने के बाद कोर्ट ने तौकीर रजा की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

पेंशनर्स 29 सितम्बर को करेगे प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पेंशनर्स कार्यालय मे जनपद अध्यक्ष सी बी सिंह की अध्यक्षता मे हुई। बैठक मे केंद्र सरकार के गठित आठवे बेतन आयोग के संकल्प पत्र मे पेंशनर्स के टर्म्स रिफरेन्स को सम्मिलित करने ,एवं वित्त बिधेयक 2025 को वापस किए जाने की मांग पर केन्द्र सरकार की उपेक्षा से नाराज पेंशनर्स अखिल भारतीय राज्य सरकार पेंशनर्स फेडरेशन के आह्वान पर देश के अन्य राज्य पेंशनर्स के साथ प्रदेश मे दिनाकं- 29 सितम्बर के आहूत बिरोध प्रदर्शन को जनपद मे सफल बनाए जाने की रणनीति तय की गयी।अध्यक्ष ने पेंशनर्स को अवगत कराया की जिलाधिकारी ने माह के चौथे शनिवार को मध्याह्न बारह बजे से एक बजे तक समस्त विभाग के कार्यालयाध्यक्ष की बैठक संगठन पदाधिकारियो के साथ पेंशनर्स समस्याओ के सन्दर्भ मे करेगे, किसी पेंशनर्स साथी को कोई कठिनाई हो तो किसी भी कार्य दिवस मे संगठन कार्यालय मे मध्याह्न बारह बजे से उपस्थित होकर दे सकते है, जिससे उसका निस्तारण कराया जा सके। अवगत कराया कि सरकार पेंशनर्स मे भेद पैदा करने की निति पर चल रही है, जिसके कारण एक जनवरी 2026 के पूर्व सेवानिवृत्त पुराने पेंशनर्स को आठवे वेतन आयोग के लाभ से बंचित कर पेन्शन पुनरीक्षण एवं महगाई राहत से वाहर करना चाहती है। प्रदेश संगठन से अब तक एक लाख पेंशनर्स की हस्ताक्षर याचिका माननीय प्रधान मन्त्री जी को भेजी गई है ,लेकिन अभी तक आठवे वेतन आयोग के संकल्प पत्र मे पेंशनर्स के

स्कूल बस ने बाइक को मारी टक्कर, दंपती और बेटे की मौत, अंत्येष्टि में शामिल होने जा रहे थे

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। यूपी के सुल्तानपुर में हुए भीषण हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। घटना से घर में कोहराम मच गया। शोर सुनकर पहुंचे लोग परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे।

हादसा अखंडनगर थाना क्षेत्र में अल्लीपुर के पास हुआ। हादसे में रामलौट गुप्ता (50), उनकी पत्नी दुर्गावती देवी (46), पुत्र अजय (22) की मौत हुई है। बताया गया कि ये सभी लोग भाई की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इसी बीच गलत दिशा में आ रही स्कूल बस ने बाइक को टक्कर मार दी।

उजड़ गया परिवार

स्थानीय लोगों ने देखा तो

भागकर पहुंचे। सभी को जिला अस्पताल, अकबरपुर लाया गया। वहां जांच के बाद चिकित्सकों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिवार में चार बेटियां बची हैं। इनका इकलौता पुत्र अजय ही था। ऐसे में चार बेटियों का पूरा परिवार ही उजड़ गया है।

तेज ट्रक के टक्कर सांड की मौत

जौनपुर। नगर के पॉलिटेक्निक चौराहे के पास वाहन की चपेट में आने से बड़ा हादसा हो गया। एक ट्रक ने सड़क पर मौजूद सांड को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद सड़क पर खून के निशान दिखाई दिए। घटनास्थल का दृश्य बेहद दर्दनाक रहा। इस मार्ग पर लगातार भारी वाहनों की आवाजाही रहती है, लेकिन ट्रैफिक नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पर्याप्त इंतजाम नजर नहीं आते। मड़ियाहूं की तरफ से आने वाले और प्रयागराज की ओर से शहर में प्रवेश करने वाले वाहन कई बार तेज रफ्तार में आगे बढ़ते हैं। ऐसे में पॉलिटेक्निक चौराहे जैसे व्यस्त स्थान पर स्पीड कंट्रोल, चेतावनी साइन बोर्ड और पर्याप्त ट्रैफिक पुलिस की तैनाती बेहद जरूरी है। लोगों का कहना है कि कुछ समय पहले भी इसी क्षेत्र में ब्रेक फेल होने के कारण ट्रक से हादसा हुआ था।

संक्षेप

गौशाला का किया निरीक्षण, दिया निर्देश

जौनपुर। सिरकोनी विकास खण्ड के ग्राम पंचायत अमदहा गांव में स्थित गौशाला का बीडीओं सिरकोनी ने मंगलवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीडीओ विकास सिंह ने गौशाला में रहने वाले पशुओं को बारे में जानकारी ली। उन्होंने गौशाला के पशुओं को दिये जाने वाले भूसा, पशुआहार, नेपियर घास का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पशुओं को खिलाने वाला सभी सामग्री पर्याप्त मात्रा में पायी गई। उन्होंने पशुओं को शुद्ध पेय जल की व्यवस्था ठीक रखने के लिए निर्देशित किया साथ ही पशुओं के रहने वाले जगह पर कोई जल जमाव न हो, की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने गौशाला में निर्माणाधीन अतिरिक्त पशु शेड का कार्य अति शीघ्र पूरा कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान पशु डॉ धर्मेंद्र सिंह, ग्राम प्रधान दुर्गा प्रसाद यादव, सचिव सरिता मौर्या, संतोष यादव, विनोद यादव, धर्मेंद्र यादव आदि उपस्थित रहे।

राजा यादवेंद्र दत्त दुबे की पुण्यतिथि आज

जौनपुर । राजनीति के पुरोधा और जौनपुर रियासत के 11वें राजा यादवेंद्र दत्त दुबे की 27वीं पुण्यतिथि बुधवार को मनाई जाएगी। नौ सितंबर 1999 को निधन के बाद 27 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन राजनीति में उनके योगदान और व्यक्तित्व की यादें आज भी लोगों के बीच ताजा हैं। राजा यादवेंद्र दत्त दुबे भारतीय जनसंघ और भाजपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे और उत्तर प्रदेश में आरएसएस के प्रभारी की जिम्मेदारी भी संभाली ।सात दिसंबर 1918 को जन्मे राजा यादवेंद्र दत्त दुबे अपनी असाधारण बुद्धिमत्ता, वाकपटुता और राजनीतिक कौशल के लिए जाने जाते थे। हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत पर उनकी मजबूत पकड़ थी। विज्ञान और ज्योतिष का भी उन्हें अच्छा ज्ञान था। वह चार बार विधायक और दो बार सांसद चुने गए। उत्तर प्रदेश विधानसभा में उन्होंने नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी भी संभाली ।आपातकाल के दौरान वर्ष 1977 में उन्हें वाराणसी की जेल में बंद किया गया था।

बैंक मित्रों के कार्य की समीक्षा की

जौनपुर ।मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया ने जिला सलाहकार समिति एवं बैंकर्स समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बैंक एवं सरकार प्रायोजित योजनाओ की बिन्दुवार समीक्षा की गई। बैठक में ऋण जमानुपात की चर्चा हुई और इसे बढ़ाने के प्रयास पर चर्चा हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि यूनियन बैंक एवं स्टेट बैंक तथा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक को विशेष रूप से ऋण जमा अनुपात पर ध्यान देने की आवश्यकता है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जिले में काम कर रहे प्रत्येक बैंक शाखाओं एवं बैंक एटीएम की समीक्षा की साथ ही बैंक मित्रों के कार्य की समीक्षा की गई साथ ही वित्तीय समावेशन संतृप्तिकरण अभियान को सरकार प्रायोजित योजनाओं यथा एसएचजी, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एन.आर.एल.एम. सहित सभी सरकार प्रायोजित योजना में समस्त बैंक एवं विभाग द्वारा जून तिमाही 2026 के कार्य की समीक्षा की गई।

राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार वाहन रवाना

जौनपुर। आगामी 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत को लेकर आमजन में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को जनपद न्यायालय परिसर से प्रचार वाहन एवं पीएलवी की मोटरसाइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया ।जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार शशि ने प्रचार वाहन को रवाना किया। इस दौरान सिविल जज सीनियर डिवीजन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार सिंह ने बताया कि प्रचार वाहन जिले के विभिन्न तहसीलों और क्षेत्रों में पहुंचकर राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में लोगों को जागरूक करेगा ।प्रचार अभियान के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जारी पंपलेट, पोस्टर और स्टीकर वितरित किए जाएंगे। लोगों को लोक अदालत के माध्यम से मामलों के सरल एवं त्वरित निस्तारण के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

'मरना पसंद करूंगा, डरपोक नहीं हूं': फांसी की 23 सजा सुनाई

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में पिछले पांच महीने में 10 चर्चित प्रकरणों में 23 दोषियों को फांसी की सजा सुना चुके अपर जिला एवं सत्र न्यायालय रवि कुमार दिवाकर ने कहा कि पश्चिम यूपी के माफिया-गैंगस्टरों ने उनसे संपर्क कर संदेश भिजवाया है कि उनके पीछे पड़ा तो वे कोर्ट बदलवा देंगे या जिले से बाहर ट्रांसफर करवा देंगे। जज दिवाकर ने कहा, मैं मरना पसंद करूंगा, डरपोक जज कहलाना नहीं।

मुजफ्फरनगर के कस्बा शाहपुर में आठ साल पहले घरेलू विवाद में जिंदा जलाई गई शहजादी (23) के शौहर को फांसी की सजा सुनाते हुए जज दिवाकर ने अपने ऊपर उठ रहे सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने फैसले में लिखा, मेरे माता-पिता ने भगवान के सिवा किसी अन्य से नहीं डरने की शिक्षा दी है। यदि न्यायाधीश बाहुबलियों, माफिया या अपराधियों के दबाव में काम करने लगे तो जनता

का न्यायपालिका पर भरोसा कमजोर होगा। यदि मैं ऐसी शक्तियों से भयभीत हो जाऊंगा तो मेरे लिए न्यायिक संस्था से इस्तीफा देना ही उचित होगा।

फैसले में जज दिवाकर ने लिखा, मुझे संदेश भिजवाया गया है कि अभी मेरे पास से सिर्फ पत्रावलियां हटवाई गई हैं, यदि मैं उनके पीछे पड़ा या टिप्पणी की तो प्रभाव का इस्तेमाल कर कोर्ट बदलवा दिया जाएगा या बाहर ट्रांसफर करा दिया जाएगा।

गवाह मुकरे तो मृत्यु पूर्व बयान को पर्याप्त माना

जज दिवाकर ने शहजादी को जिंदा जलाने के मामले में शौहर नदीम को फांसी की सजा सुनाई। उन्होंने वादी के पिता समेत अन्य गवाहों के पक्षद्रोही हो जाने के बावजूद मजिस्ट्रेट को मृत्यु पूर्व दिए गए बयान के आधार पर यह सजा सुनाई। उन्होंने फैसले में लिखा, अबला नारी को जिंदा जलाने वाला सहानुभूति का हकदार नहीं है।

जज दिवाकर का इंसाफ...155 दिन में 23 दोषियों को मृत्युदंड

मुजफ्फरनगर फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने छह अप्रैल से सात सितंबर तक 155 दिन में 10 मामलों में 23 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। मुजफ्फरनगर में न्यायालय की स्थापना के 70 साल में यह रिकॉर्ड है।

12 अप्रैल 1956 को मेरठ से विभाजन कर जिले में अस्थायी न्यायालय शुरू हुआ। बाद में 14 जुलाई 1958 को स्थायी तौर पर काम शुरू किया गया। इसी साल छह अप्रैल से सात सितंबर तक 155 दिन में फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या तीन के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने न्याय का नया अध्याय जोड़ दिया। 10 मामलों में अब तक 2 लोगों को फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है।

इन मामलों में सुनाया फैसला

एडवोकेट समीर सैफी हत्याकांड (06 अप्रैल 2026) 15 अक्तूबर 2019 को 40 लाख रुपये के लेन-देन के विवाद में अधिवक्ता समीर सैफी की हत्या कर दी गई थी। अदालत ने सिंगोल अल्वी, सोनू उर्फ रिजवान और शालू उर्फ अरबाज को मृत्युदंड सुनाया।

शेखर हत्याकांड (28 अप्रैल 2026)

भौराकलां थाना क्षेत्र के सिसौली निवासी शेखर की वर्ष 2019 में 70 हजार रुपये के लेन-देन के विवाद में पास के गांव खेड़ी सूंडियान में हत्या कर दी गई थी। अदालत ने दोषी मुकेश, उसके बेटे प्रदीप, संदीप और सोनू को मृत्युदंड सुनाया।

राजेश देवी-हिमांशु हत्याकांड (30 मई 2026)

छपार के सलेमपुर गांव निवासी सुरेश की पत्नी राजेश देवी अपने छह वर्षीय बेटे हिमांशु के साथ नवंबर 2011 को घर से निकली थीं। चरथावल में दोनों की लाश मिली हत्या के मामले में अदालत ने दोषी रईस को मृत्युदंड की सजा सुनाई।

राजेंद्र सैनी हत्याकांड (20 जून 2026)

ककरौली निवासी राजेंद्र सैनी की वर्ष 2018 में हत्या कर शव को जलाने के मामले में अदालत ने रामकरण उर्फ सावन गिरी और गीलू को मृत्युदंड सुनाया। मामले के एक आरोपी वीरसैन की सुनवाई के दौरान मृत्यु हो चुकी थी।

होमगार्ड रतिराम हत्याकांड (02 जुलाई 2026)

शहर कोतवाली के बुढ़ाना मोड़ पर वर्ष 2020 में गश्त के दौरान होमगार्ड रतिराम की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। मामले में केस दर्ज हुआ। इसके बाद अदालत ने दोषी दीपक को मृत्युदंड की सजा सुनाई।

कैफे सिर्फ कॉफी नहीं, नई जेनरेशन का नया अड्डा

आजकल कैफे सिर्फ कॉफी पीने की जगह नहीं है बल्कि नई पीढ़ी के हैंगआउट या क्वालिटी टाइम स्पेंड करने का स्पॉट बन गया है। ये बदलाव कैसे आया है, चलिए आपको बताते हैं...

कविता अपने परिवार के साथ कश्मीर घूमने गई। उसकी टीनएजर बेटी ने एक फेमस कैफे को को खोजने और वहां जाकर फोटो खिंचाने की जिद ठान ली, जिसे उसने किसी मूवी में देखा था। अब आप किसी टूरिस्ट स्पॉट पर पहुंचे तो लोकल लोग ही नहीं, सोशल मीडिया का एल्गोरिदम भी आपको वहां के फेमस कैफे बार-बार दिखाने लगता है। वजह सिर्फ कॉफी नहीं, वो ओवरऑल एक्सपीरियंस है जिसे नई जेनरेशन कैमरे में भी कैद करना चाहती है और सोशल मीडिया पर शेयर भी।

कभी चाय के लिए नुक्कड़, मिलने के लिए घर और दोस्तों के साथ बातचीत के लिए पार्क थे। अब लोकेशन बदलकर कैफे हो गई है। कॉफी हो या चाय, मोमोज हों या पास्ता, सामने लैपटॉप हो या चार दोस्त कैफे अब मीटिंग रूम, स्टडी स्पेस, डेटिंग स्पॉट, फोटो बैकग्राउंड, इनफॉर्मल जॉब इंटरव्यू और दोस्तों का अड्डा तक बन चुके हैं।

बढ़ रहा है कैफे मार्केट

भारत के रेस्तरां और हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री पर फोकस करने वाले मीडिया और इंडस्ट्री प्लेटफॉर्म रेस्तरां इंडिया की रिपोर्ट कहती है साल 2025 में भारत के ब्रांडेड कॉफी-शॉप सेगमेंट में करीब 5,339 आउटलेट थे। इस सेगमेंट में एक साल में लगभग 12.17 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की गई।

भारत में कॉफी शॉप और कैफे मार्केट 2025 में करीब 424.16 मिलियन डॉलर का था, जिसके 2034 तक 1.115 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। दिल्ली-मुंबई से लेकर देहरादून, जयपुर, लखनऊ और दूसरे टियर-2 शहरों तक कैफे कल्चर का फैलना इसी बदलाव का संकेत है।

अब कॉफी नहीं, एक्सपीरियंस बिक रहा है

नई जनरेशन कैफे चुनते वक्त सिर्फ मेन्यू नहीं देखती। इंटीरियर कैसा है, वाइब कैसी है, फोटो कैसी आएगी और कुछ हट के एक्सपीरियंस मिलेगा या नहीं। इनसे तय होता है कि कैफे जाना है या नहीं। श्रीनगर का चायजाय कैफे कश्मीरी चाय, कश्मीरी क्यूज़ीन, कश्मीरी संस्कृति और झेलम के किनारे के माहौल से जोड़ता है। यानी कप में सिर्फ चाय नहीं, एक लोकेशन, एक कहानी और लोकल एक्सपीरियंस भी परोसा जाता है।

ओटीटी पर मुसाफिर कैफे सीरीज़ आने के बाद मसूरी का जड़ीपानी कैसल यंग जनरेशन के लिए नेक्स्ट डेस्टिनेशन बन गया। अब कैफे की यूएसपी सिर्फ कॉफी नहीं, लोकेशन और स्टोरी होती है।

GenZ के लिए कैफे क्यों खास?

कैफे अब सोशल स्पेस है। दोस्तों से मिलना हो, पढ़ाई करनी हो, लैपटॉप पर काम करना हो, इनफॉर्मल मीटिंग करनी हो या बस अकेले बैठना हो—यहां घर जैसी पाबंदी नहीं और ऑफिस जैसा फॉर्मल माहौल भी नहीं। ग्लोबल मार्केट-रिसर्च कंपनी यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल की रिसर्च के मुताबिक जेन ज़ी कॉफी और चाय को सिर्फ ड्रिंक के तौर पर नहीं देख रही। नए एक्सपीरियंस, पर्सनलाइजेशन, डिजिटल ऑर्डरिंग और सोशल मीडिया जैसे फैक्टर उसके कंजंप्शन को प्रभावित कर रहे हैं।

यूरोमॉनिटर के अनुमान के मुताबिक भारत में 20-29 साल के लोगों की औसत ग्रॉस इनकम 2024 से 2029 के बीच करीब 5 फीसदी कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) से बढ़ सकती है। यानी युवा कंज्यूमर की खर्च करने की क्षमता बढ़ने के साथ एक्सपीरियंस-बेस्ड खर्चों के लिए भी जगह बन रही है।

महंगी कॉफी भी कब लगती है वैल्यू फॉर मनी

महंगाई और बजट प्रेशर में कंज्यूमर अब सिर्फ प्रीमियम के लिए पैसा खर्च नहीं करना चाहता। यूरोमॉनिटर की रिसर्च के मुताबिक उसे चाहिए वैल्यू फॉर मनी और एक्सपीरियंस।यानी 200 रुपये की कॉफी तभी वर्थ इट लगती है जब उसके साथ अच्छा माहौल, वाई-फाई, फोटो और दोस्तों के साथ वक्त बिताने की वजह भी मिले। इसीलिए स्टारबक्स जैसे ग्लोबल ब्रांड्स के साथ छोटे लोकल कैफे, चाय कैफे और बजट-फ्रेंडली आउटलेट भी अपनी जगह बना रहे हैं। देहरादून-मसूरी और हिमाचल के धर्मकोट जैसे टूरिस्ट हब इसका उदाहरण हैं, जहां कैफे खुद डेस्टिनेशन एक्सपीरियंस का हिस्सा बन चुके हैं।

नया नुक्कड़, बस थोड़ा महंगा

लोकेशन या लाइफ कितनी भी बदल जाए लोग मिलना तो नहीं छोड़ेंगे और मिलने के लिए चाहिए एक सही जगह घर, नुक्कड़ की चाय और पार्क के बाद अब हॉट स्पॉट हैं कैफे। कैफे विद वाइब, विद वाईफाई, चार्जिंग पॉइंट और इंटीरियर। इसलिए बढ़ता कैफे कल्चर सिर्फ कॉफी की बढ़ती डिमांड नहीं है। ये उस जेनरेशन की स्टोरी है जो घर और ऑफिस के बीच अपनी तीसरी जगह तलाश रही है। इसलिए सवाल ये नहीं है कि कॉफी कैसी है? सवाल हैएक्सपीरियंस कैसा है?

सूटकेस का चयन करते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान, होगा सही चुनाव

सूटकेस एक अहम यात्रा से जुड़ी वस्तु है। सही सूटकेस चुनना आपकी यात्रा को आरामदायक और सुविधाजनक बना सकता है। आजकल बाजार में कई तरह के सूटकेस उपलब्ध हैं, जिनमें से सही का चयन करना मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ जरूरी सुझाव देंगे, जिनकी मदद से आप अपने लिए सही सूटकेस चुन सकते हैं। ये सुझाव न केवल आपके सामान को सुरक्षित रखेंगे, बल्कि यात्रा को भी आरामदायक बनाएंगे।

आकार और वजन पर ध्यान दें

सूटकेस का आकार और वजन बहुत महत्वपूर्ण होता है। अगर आप हवाई यात्रा करते हैं तो हल्का और मध्यम आकार का सूटकेस सबसे अच्छा होता है, क्योंकि एयरलाइन कंपनियां अक्सर वजन सीमा निर्धारित करती हैं।

इसके अलावा मध्यम आकार का सूटकेस आसानी से कैरी ऑन या चेक-इन किया जा सकता है। अगर आप सड़क यात्रा पर जा रहे हैं तो बड़ा सूटकेस चुन सकते हैं, जिसमें ज्यादा सामान आ सकता है।

सामग्री की गुणवत्ता जांचें

सूटकेस की सामग्री भी बहुत जरूरी होती है। प्लास्टिक, कपड़ा या चमड़ा, हर सामग्री की अपनी खासियत होती है।

प्लास्टिक सूटकेस हल्के होते हैं, लेकिन जल्दी टूट सकते हैं। कपड़े वाले सूटकेस मजबूत होते हैं, लेकिन गंदे हो सकते हैं।

चमड़े वाले सूटकेस आकर्षक होते हैं, लेकिन महंगे भी होते हैं। इसलिए, अपनी जरूरत के हिसाब से सामग्री का चुनाव करें, ताकि आपका सामान सुरक्षित रहे और यात्रा भी आरामदायक हो सके।

पहियों की गुणवत्ता देखें

सही पहिये वाला सूटकेस चुनना बेहद जरूरी है, ताकि आप उसे आसानी से घुमा सकें। दोहरे या तिहरे पहियों वाले सूटकेस सबसे अच्छे माने जाते हैं, क्योंकि ये हर दिशा में आसानी से चल सकते हैं।

इसके अलावा पहियों की गुणवत्ता भी देखें, ताकि वे जल्दी खराब न हों और लंबे समय तक चल सकें।

अच्छे पहिये वाला सूटकेस आपकी यात्रा को आरामदायक बना सकता है और आपको किसी भी स्थान पर पहुंचाने में मदद करेगा।

ताले की सुरक्षा पर ध्यान दें

सुरक्षित ताले वाला सूटकेस चुनना बहुत अहम है, ताकि आपका सामान चोरी होने से बचा रहे। तिहरा सुरक्षा ताला या कोड लॉक सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि इन्हें खोलना मुश्किल होता है।

इसके अलावा ताले की गुणवत्ता भी जांचें, ताकि यह लंबे समय तक टिक सके और आपके सामान को सुरक्षित रख सके। एक अच्छा ताला आपके यात्रा अनुभव को और भी सुरक्षित बना सकता है और आपको मानसिक शांति प्रदान करता है।

अतिरिक्त विशेषताओं पर गौर फरमाएं

कुछ सूटकेस में अतिरिक्त विशेषताएं, जैसे कि चार्जिंग पोर्ट और बढ़ने वाला हैंडल आदि शामिल होते हैं, जो यात्रा को और भी सुविधाजनक बना सकते हैं।

अगर आप लंबे समय तक यात्रा करते हैं तो ये विशेषताएं आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती हैं।

इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप अपने लिए सबसे अच्छा और सही सूटकेस चुन सकते हैं, जो आपकी यात्रा को आरामदायक और सुरक्षित बनाएगा।

तनाव महसूस हो रहा है? जिगसॉ पजल बनाना हो सकता है फायदेमंद

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव एक आम समस्या बन गई है। चाहे काम का दबाव हो या व्यक्तिगत जीवन की चुनौतियां, हम सभी कभी न कभी तनाव का सामना करते हैं। इस स्थिति में जिगसॉ पजल एक अनोखा और असरदार उपाय हो सकता है। यह न केवल आपके दिमाग को व्यस्त रखता है, बल्कि आपको मानसिक शांति भी देता है। आइए जानते हैं कि जिगसॉ पजल्स कैसे तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं।

ध्यान केंद्रित करने का अच्छा तरीका

जिगसॉ पजल्स को बनाते समय आपका पूरा ध्यान उस पर केंद्रित होता है। इससे आपका मन अन्य चिंताओं से हटकर सिर्फ एक ही काम पर केंद्रित हो जाता है।

यह प्रक्रिया आपके दिमाग को शांत करने में मदद करती है और आपको मानसिक शांति देती है। जब आप किसी जिगसॉ को पूरा करते हैं तो आपको एक संतोषजनक अनुभव मिलता है, जो आपके मूड को बेहतर बनाता है और तनाव को कम करता है।

समस्या समाधान की बढ़ती है क्षमता

जिगसॉ पजल को हल करने के लिए समस्या समाधान की क्षमता की जरूरत होती है। जब आप अलग-अलग टुकड़ों को जोड़ते-गोड़ते हुए एक तस्वीर बनाते हैं तो आपकी सोचने की क्षमता तेज होती जाती है।

इससे आपका दिमाग नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहता है और आप अपने रोजमर्रा के जीवन की समस्याओं का समाधान बेहतर तरीके से कर पाते हैं।

इस प्रक्रिया से आपका मानसिक संतुलन भी बना रहता है।

सिखाता है धैर्य और समर्पण

जिगसॉ पजल बनाने में समय लगता है और इसमें धैर्य की जरूरत होती है। जब आप किसी जिगसॉ को पूरा करने में लगे होते हैं तो आपको धीरे-धीरे काम करने की आदत पड़ती है।

इससे आपका धैर्य बढ़ता है और आप अन्य कामों में भी जल्दबाजी किए बिना ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। इसके अलावा यह समर्पण की भावना भी सिखाता है, जो आपके जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी मददगार साबित होती है।

रचनात्मकता को मिलता है बढ़ावा

जिगसॉ पजल बनाने में रचनात्मकता की जरूरत होती है। जब आप अलग-अलग आकार के टुकड़ों को जोड़ते-गोड़ते हुए एक तस्वीर बनाते हैं तो आपकी रचनात्मक सोच विकसित होती जाती है।

इससे आपका दिमाग नई-नई सोचने की क्षमता विकसित करता है और आप अधिक रचनात्मक बनते जाते हैं। यह प्रक्रिया आपके मानसिक संतुलन को भी बेहतर बनाती है और आपको मानसिक शांति देती है।

इस तरह जिगसॉ पजल आपके दिमागी विकास में अहम भूमिका निभाते हैं।

सामाजिक संबंध मजबूत करने में करता है मदद

जिगसॉ पजल को परिवार या दोस्तों के साथ मिलकर बनाने से सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं। जब आप किसी जिगसॉ को मिलकर बनाते हैं तो आपसी समझ बढ़ती है और रिश्ते मजबूत होते हैं।

इससे न केवल आपका तनाव कम होता है, बल्कि आपके जीवन में खुशी भी बढ़ती है। इस प्रकार जिगसॉ पजल एक सरल, लेकिन असरदार तरीका हो सकता है तनाव कम करने का।

इसे अपने दैनिक जीवन में शामिल करें और मानसिक शांति पाएं।

गर्दन से जुड़ी इन समस्याओं को नजरअंदाज करना है नुकसानदायक, इन संकेतों को न करें नजरअंदाज

नींद

गर्दन की समस्याएं आम हो गई हैं, खासकर उन लोगों में, जो लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल स्क्रीन के सामने बैठकर काम करते हैं। इन समस्याओं का सीधा असर रीढ़ की हड्डी पर पड़ता है, जिससे कई अन्य स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। आइए आज हम आपको गर्दन से जुड़ी उन समस्याओं के बारे में बताते हैं, जिनके बारे में आपको हर दिन कुछ संकेत मिलते हैं और इन्हें नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है।

गर्दन में अकड़न या दर्द होना

अगर आपको गर्दन में अकड़न या दर्द महसूस होता है तो इसे नजरअंदाज न करें।

यह संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन की मांसपेशियां कमजोर हो रही हैं या फिर किसी चोट के कारण आपको यह समस्या हो रही है।

अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह रीढ़ की हड्डी को भी प्रभावित कर सकता है। नियमित खिंचाव और गर्दन की हल्की एक्सरसाइज करने से इस समस्या में सुधार हो सकता है।

सिरदर्द होना

अगर आपको बार-बार सिरदर्द हो रहा है तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन में कुछ गड़बड़ी है, खासकर कंप्यूटर या मोबाइल का अधिक उपयोग करने से यह समस्या बढ़ सकती है।

इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी स्क्रीन के सामने बैठने की मुद्रा सही रखें और हर 30 मिनट बाद आराम करें।

इसके अलावा सिरदर्द को कम करने के लिए पानी पिएं और आरामदायक कुर्सी पर बैठकर काम करें।

हाथों में सुन्नपन या झनझनाहट होना

अगर आपको हाथों में सुन्नपन या झनझनाहट महसूस हो रही है तो यह भी एक महत्वपूर्ण संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन में दबाव बढ़ रहा है।

यह समस्या अक्सर लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठने या सोते समय गलत मुद्रा अपनाने से हो सकती है।

इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है क्योंकि इससे हाथों की नसें दब सकती हैं, जिससे हाथों की संवेदनशीलता प्रभावित हो सकती है।

में परेशानी होना

अगर आपको सोते समय गर्दन में दर्द या अकड़न होती है तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन में कुछ गड़बड़ी है। गलत तकिए का उपयोग या फिर सोते समय गलत मुद्रा अपनाने से यह समस्या बढ़ सकती है।

इसे नजरअंदाज न करें क्योंकि इससे आपकी नींद प्रभावित हो सकती है और आपको पूरे दिन थकान महसूस हो सकती है। सही तकिए का चयन और आरामदायक स्थिति में सोना इस समस्या का समाधान हो सकता है।

गर्दन की गति में कमी आना

अगर आपको अपनी गर्दन घुमाने में कठिनाई हो रही हो तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपकी गर्दन कमजोर हो रही है। इस समस्या का मुख्य कारण मांसपेशियों का तनाव होना हो सकता है। इसे ठीक करने के लिए नियमित खिंचाव करना जरूरी है।

इन सभी संकेतों पर ध्यान देकर आप अपनी गर्दन की समस्याओं का समय रहते समाधान कर सकते हैं और अपनी रीढ़ की हड्डी को सुरक्षित रख सकते हैं।

रिटायरमेंट के बाद चाहिए ₹20,000 की मासिक पेंशन? कैलकुलेशन से समझिए कितना करना होगा निवेश

केंद्र सरकार की नेशनल पेंशन सिस्टम रिटायरमेंट के बाद ₹20,000 मासिक पेंशन पाने का एक बेहतरीन विकल्प है।

हर इंसान चाहता है कि रिटायरमेंट (Retirement) के बाद उसकी जिंदगी बिना किसी आर्थिक तंगी के सुकून से बीते। बुढ़ापे में एक रेगुलर इनकम का आना बहुत जरूरी है, ताकि रोजमर्रा के खर्चों के लिए किसी और पर निर्भर न कहना पड़े। अगर आप भी रिटायरमेंट के बाद हर महीने ₹20,000 की पक्की पेंशन (Pension) चाहते हैं, तो केंद्र सरकार की नेशनल पेंशन सिस्टम (NPS) आपके लिए सबसे बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है।

आइए विस्तृत कैलकुलेशन के जरिए समझते हैं कि ₹20,000 की मासिक पेंशन पाने के लिए आपको कितने बड़े कॉर्पस की जरूरत होगी और कितने साल में आपको हर महीने कितने निवेश करने पड़ेंगे।

NPS का 40:60 का नियम

NPS के तहत निवेश की गई रकम को आप 60 साल की उम्र तक निकालते नहीं हैं। जब आप 60 साल के हो जाते हैं, तो मैच्योरिटी की कुल रकम पर यह नियम लागू होता है।

1. 60% एकमुश्त निकासीः आप कुल फंड का अधिकतम 60% एकमुश्त (Lump sum) निकाल सकते हैं, जो पूरी तरह से टैक्स फ्री होता है।

2. 40% एन्यूटीः आपको कुल फंड का कम से कम 40% हिस्सी किसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से एन्युटी (पेंशन प्लान) खरीदने के लिए इस्तेमाल करना होता है। इसी 40% हिस्से से आपकी मासिक पेंशन तय होती है।

₹20,000 महीने की पेंशन के लिए कितना फंड चाहिए?

अगर आपको हर महीने ₹20,000 की पेंशन चाहिए, तो सालाना पेंशन ₹2,40,000 (20,000 X 12) हो जाती है। अगर हम एन्युटी पर मिलने वाले ब्याज (Annuity Rate) को 6% सालाना मान लें, तो ₹2.40 लाख की सालाना पेंशन पाने के लिए आपका एन्युटी फंड लगभग ₹40 लाख होना चाहिए।

चूंकि यह ₹40 लाख आपके कुल एनपीएस फंड का केवल 40% हिस्सा है, इसलिए आपका कुल कॉर्पस ₹1 करोड़ होना चाहिए।

एन्युटी (40%): ₹40 लाख (जिससे 20 हजार/महीने पेंशन मिलेगी)

एकमुश्त निकासी (60%): ₹60 लाख (कैश)

₹ 1 करोड़ का फंड बनाने के लिए कितना करें मंथली पेंशन?

मान लीजिए कि NPS में आपके निवेश पर औसतन 10% का सालाना रिटर्न मिलता है और आप 60 साल की उम्र तक निवेश करते हैं। तो अलग-अलग के हिसाब से आपको हर महीने इतना निवेश करना होगाः

1. अगर आपकी उम्र 25 साल है और आप 35 साल तक के लिए निवेश कर रहे हैं तो आपको हर महीने लगभग ₹2600 का निवेश करना होगा। 35 सालों में आपका कुल निवेश करीब ₹10.9 लाख होगा, लेकिन कंपाउंडिंग की ताकत से आपके कुल फंड 1 करोड़ के पार हो जाएगा।

2. अगर आपकी उम्र 30 साल है और 30 साल के लिए निवेश कर रहे हैं तो आपको हर महीने ₹4,400 का निवेश करने होगा।

3. अगर आपकी उम्र 35 साल है और आप 25 साल के लिए निवेश कर रहे हैं तो आपको हर महीने ₹7500 निवेश करना होगा।

20-30 लाख के बजट में प्रॉपर्टी खरीदें या REITs में लगाएं पैसा, कहां है ज्यादा फायदा?

हर कोई रियल एस्टेट से रेगुलर कमाई चाहता है लेकिन बजट आड़े आता है। अगर आपके पास 20-30 लाख रुपये हैं तो निवेश का सही तरीका चुनना जरूरी है। यहां रिस्क से लेकर रिटर्न तक का पूरा गणित आसान भाषा में समझें।

REITs से 90% कमाई निवेशकों को डिविडेंड के रूप में मिलती है

मिडिल क्लास निवेशक अक्सर एक छोटा रेंटल फ्लैट खरीदने का सपना देखते हैं। लेकिन मेट्रो शहरों में बढ़ते प्रॉपर्टी रेट्स के कारण 20 से 30 लाख रुपये के बजट में अच्छी लोकेशन पर घर लेना लगभग नामुमकिन हो गया है। ऐसे में बाजार में रीट्स (REITs) के रूप में एक मजबूत विकल्प मौजूद है। ये आपको लाखों-करोड़ों की जमीन खरीदे बिना ही कमर्शियल संपत्तियों से कमाई का मौका देता है। अब बड़ा सवाल ये है कि इतने बजट में खुद का फ्लैट खरीदना फायदेमंद है या रीट्स में पैसा लगाना।

म्यूचुअल फंड की तरह काम करता है REITs

म्यूचुअल फंड की तर्ज पर काम करने वाले रीट्स निवेशकों से पैसा जुटाते हैं। इस फंड का इस्तेमाल बड़े आईटी पार्क, मॉल से लेकर शानदार ऑफिस कॉम्प्लेक्स जैसी कमर्शियल प्रॉपर्टीज में किया जाता है। अगर आपका बजट 20 से 30 लाख रुपये है, तो इतने में किसी भी बड़े शहर में स्टाम्प ड्यूटी, रजिस्ट्री से लेकर ब्रोकरेज का खर्च निकाल कर फ्लैट खरीदना बेहद मुश्किल है। वहीं REITs आपको छोटी रकम में इन बड़ी कमर्शियल प्रॉपर्टीज का मालिकाना हक दिलाते हैं। सेबी के सख्त नियमों के अनुसार रीट्स के लिए अपनी कमाई का कम से कम 90 फीसदी हिस्सा निवेशकों के बीच डिविडेंड या ब्याज के रूप में बांटना अनिवार्य है। ये नियम निवेशकों की रेगुलर इनकम पक्की करता है।

रेंटल फ्लैट का जोखिम

एक छोटा रेंटल फ्लैट संपत्ति का अहसास कराता है। ये आपके सामने होता है। आप खुद तय करते हैं कि प्रॉपर्टी का किराएदार कौन होगा। किराया कब बढ़ाना है से लेकर भविष्य में इसे बेचने का फैसला पूरी तरह आपके हाथ में होता है। इलाके का विकास होने पर इसके दाम भी तेजी से बढ़ते हैं।

लेकिन इसकी कमियां भी कम नहीं हैं। भारत में आवासीय संपत्तियों से मिलने वाला सालाना रेंटल यील्ड बहुत कम है। ये आंकड़ा महज 1।5 प्रतिशत से 4 प्रतिशत के आसपास ही सिमट कर रह जाता है। इसके साथ ही मेंटेनेंस का खर्च, प्रॉपर्टी टैक्स, टूट-फूट की मरम्मत की जिम्मेदारी भी मकान मालिक की होती है। अगर कुछ महीने किराएदार न मिले, तो घर खाली पड़े रहने का आर्थिक नुकसान भी अलग से उठाना पड़ता है।

निवेश का सही विकल्प

अगर आप बिना मकान मालिक बने रियल एस्टेट का मुनाफा कमाना चाहते हैं तो REITs बेहतरीन विकल्प है। इसमें मेंटेनेंस की कोई सिरदर्दी नहीं होती। शेयर बाजार से जुड़े होने के कारण इसमें लिक्विडिटी ज्यादा होती है, लेकिन आपको बाजार के उतार-चढ़ाव झेलने के लिए भी तैयार रहना होगा।

वहीं अगर आपके पास पर्याप्त पूंजी है, आपको स्थानीय रियल एस्टेट मार्केट की अच्छी समझ है, तो आप रेंटल फ्लैट की तरफ जा सकते हैं। बशर्ते आप लंबे समय तक किरायेदारों से जुड़ी चुनौतियों को संभालने के लिए मानसिक रूप से तैयार हों। बेहतर पोर्टफोलियो बनाने के लिए आप अपने पैसों को रीट्स के साथ फिजिकल प्रॉपर्टी दोनों में बांटकर लगा सकते हैं।

अमेरिका के मिडटर्म इलेक्शन में बुरी तरह हारने जा रही ट्रंप की पार्टी, पहली बार सामने आया डेटा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिडटर्म इलेक्शन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन को करारी हार का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी आउटलेट एक्सियोस के मुताबिक, चुनाव में डेमोक्रेट्स को 10 ज्यादा सीटें मिलने जा रही हैं, जिसके कारण ट्रंप की पार्टी बहुमत से काफी पीछे चली जाएगी। इसे ट्रंप के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। इस वक्त रिपब्लिकन पार्टी के पास कांग्रेस में 5 सीटों की बढ़त है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के चुनाव में जिस तरह विपक्षी डेमोक्रेट्स को बढ़त मिल रही है, उसे अगर आंकड़ों में तब्दील किया जाए तो मिडटर्म इलेक्शन में डेमोक्रेट्स को 230 सीटों पर जीत मिल सकती है। वहीं, रिपब्लिकन उम्मीदवार 205 सीटों पर सिमट सकते हैं।

अगर ऐसा होता है तो आने वाले दिनों में ट्रंप की मुसीबत बढ़ सकती है। क्योंकि सदन में बहुमत न होने पर ट्रंप सरकार को कई चुनौतियों का सामना करना होगा। इस वक्त रिपब्लिकन पार्टी के पास 218 सांसद हैं, वहीं डेमोक्रेट्स के पास 214 सांसद हैं।

मिडटर्म इलेक्शन अहम क्यों हैं?

अमेरिका में कांग्रेस और सीनेट दो सदनीय व्यवस्था का हिस्सा हैं। राष्ट्रपति फैसले तो ले सकते हैं, लेकिन विधेयक और बजट पास कराने के लिए उन्हें कांग्रेस और सीनेट के पास ही जाना होता है। कांग्रेस और सीनेट में बहुमत न होने पर सरकार के लिए स्वतंत्र रूप से फैसले लेना मुश्किल हो जाएगा। मिडटर्म इलेक्शन में कांग्रेस की सभी 435 सीटों के लिए चुनाव प्रस्तावित हैं। वहीं, सीनेट की एक तिहाई सीटों के लिए भी मतदान कराया जाएगा। अगर इस चुनाव में ट्रंप की पार्टी पिछड़ती है तो सदन में उसकी ताकत कम हो जाएगी।

ईरान युद्ध ने ट्रंप को फंसाया

ईरान युद्ध ने डोनाल्ड ट्रंप को फंसा दिया है। ट्रंप को शुरुआत में जल्द ही युद्ध खत्म होने की उम्मीद थी, लेकिन ईरान नए इसे और आगे खींच दिया है। ईरान युद्ध के कारण ट्रंप की लोकप्रियता कम हो गई है, जिसका असर चुनाव पर दिख सकता है। हालांकि, ट्रंप की पार्टी परिसीमन के जरिए यह कोशिश कर रही है कि किसी तरह कुछ सीटें बढ़ जाए। एक्सियोस के मुताबिक परिसीमन के कारण ट्रंप की पार्टी को 9 सीटों का फायदा हो सकता है, लेकिन यह कारगर नहीं है।

5000 लोग लापता, लेकिन इन्हीं 900 लोगों को क्यों खोजने पर फोकस कर रहा नेपाल?

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में भयानक बाढ़ और भूस्खलन के 13 दिन बाद भी सैकड़ों लोगों की तलाश जारी है। सोमवार को नेपाली बचाव दलों ने चीन की सीमा से लगे हिमालयी इलाकों में पनबिजली परियोजनाओं की सुरंगों में फंसे लोगों को खोजने के लिए अभियान चलाया। अधिकारियों के मुताबिक, इन परियोजनाओं से लापता करीब 900 लोगों में से लगभग 121 के सुरंगों में फंसे होने की आशंका है। यही वजह है कि बचाव दलों का ध्यान फिलहाल इन सुरंगों पर केंद्रित है।

सेना के बचाव दल का कहना है कि पनबिजली परियोजनाओं से लापता सभी लोग सुरंगों के अंदर नहीं हैं। बाकी लोग पावर प्लांट के दूसरे हिस्सों में काम कर रहे होंगे। लेकिन सुरंगों में कुछ लोगों के जिंदा होने की संभावना अभी बनी हुई है। बचाव कार्यों में शामिल सांसद श्री राम न्यूपाने ने रॉयटर्स को बताया कि सोमवार को खोजे जा रहे लोगों में रसुवा जिले की चिलिमे पनबिजली परियोजना के छह लापता कर्मचारियों में से चार भी शामिल हैं। उनके मुताबिक, इन लोगों के अभी भी जीवित होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने चिलिमे परियोजना के लिए जरूरी खास उपकरण और तकनीकें भी हासिल कर ली हैं। बचाव दलों का मानना है कि सुरंगों में हवा की जेबें, रहने की जगह और कमरे मौजूद होने के कारण कुछ लोग वहां लंबे समय तक जीवित रह सकते हैं। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि सुरंगों में कितने लोग फंसे हैं और उनकी हालत क्या है।

नेपाल में हाल के दिनों में चार लोगों को मलबे से जिंदा बचाया गया है। शनिवार को एक चीनी नागरिक को सुरंग से बाहर निकाला गया। शुक्रवार को दो पनबिजली कर्मचारियों को दूसरी सुरंग से बचाया गया था। शनिवार को एक नेपाली महिला को उसके मलबे में दबे घर से बाहर निकाला गया। इन बचाव अभियानों ने राहतकर्मियों और प्रभावित परिवारों में उम्मीद जगाई है। हालांकि, आपदा के 13 दिन बाद भी बड़ी संख्या में लोग लापता हैं और कई इलाकों तक पहुंचना मुश्किल बना हुआ है।

26 अगस्त को शुरू हुई थी आपदा

यह आपदा 26 अगस्त को नेपाल और चीन के तिब्बत क्षेत्र की सीमा पर शुरू हुई थी। एक ग्लेशियर का हिस्सा टूटने के बाद मिट्टी और चट्टानों का विशाल ढेर नदी में गिर गया। इसके कारण आई बाढ़ ने कस्बों और गांवों को तबाह कर दिया। सड़कों और राजमार्गों पर भी भारी मलबा जमा हो गया। नेपाल और तिब्बत में बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 1,380 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5,500 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं।

यूक्रेन युद्ध के बीच बड़ा हादसा, कुर्स्क में टकराए रूस के दो एसयू-35एस

मॉस्को, एजेंसी। रूस के कुर्स्क इलाके में सोमवार को दो रूसी फाइटर जेट आपस में टकरा गए। मिलिट्री एविएशन से जुड़े एक रूसी सोर्स, फाइटरबॉम्बर के मैसेज में कहा गया कि कुर्स्क ओब्लास्ट में दो रूसी Su-35S फाइटर जेट टकरा गए। टक्कर का कारण अभी पता नहीं चला है। हादसे के बाद दोनों विमानों के पायलट का कोई पता नहीं है।

Su-35S जेट का इस्तेमाल रूसी आर्म्ड फोर्सेस यूक्रेनी UAV और मिसाइलों को रोकने के साथ-साथ यूक्रेनी आर्म्ड फोर्सेस के एयर डिफेंस सिस्टम का मुकाबला करने के लिए करती हैं।

रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहाः "रूसी राष्ट्रपति पुतिन, जो सुप्रीम कमांडर-इन-चीफ हैं, ने आज आधी रात से कीव पर तीन दिन के लिए हमले रोकने का

आदेश दिया है। यह अमेरिकियों की कंसल्टेशन से जुड़ा है जो तैयार की जा रही है और कीव में होगी।"

यूक्रेनी मीडिया आउटलेट के मुताबिक रूस ने हाल ही में देश की खास बिल्डिंग्स को टारगेट किया और उन पर हमला किया। उन्होंने कहा कि रूसी ड्रोन ने कीव में यूक्रेन की सिक्योरिटी सर्विस की मेन बिल्डिंग के साथ-साथ शहर के दूसरे इलाके में उसी अथॉरिटी की एक और बिल्डिंग पर हमला किया।

यूके के पीएम ने ट्रंप से की बात

डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि सोमवार को, प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात की, और यूक्रेन में "और जानमाल के नुकसान को रोकने के लिए सीजफायर की दिशा में काम जारी रखने" की जरूरत पर सहमति जताई। डाउनिंग स्ट्रीट के एक प्रवक्ता ने कहाः यूक्रेन पर, दोनों नेता सीजफायर की दिशा में काम करते रहने की जरूरत पर सहमत हुए, जिससे और जानें जाने से बचा जा सके। प्रधानमंत्री ने यूक्रेन और हाल ही में US की अगुवाई में हुई शांति बातचीत के लिए UK के समर्थन को दोहराया।

सीएम मरियम शरीफ के बयान पर मचा हंगामा, पंजाब सरकार की सफाई- इंडिया कार्ड खेला गया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की पंजाब सरकार की ओर से अपने राज्य में सुरक्षा से जुड़े खतरे को लेकर मुख्यमंत्री मरियम नवाज की टिप्पणी पर सफाई दी गई है। यह सफाई मरियम की पिछले हफ्ते दिए बयान पर सोशल मीडिया पर शुरू हुई बहस के बाद आई है। पाक पंजाब की सूचना मंत्री अजमा बुखारी ने कहा कि आतंकवाद पर सीएम मरियम की बयान को मुख्य संदर्भ से हटाकर पेश किया गया और उन्हें अनावश्यक रूप से राजनीतिक और प्रांतीय रंग दे दिया गया।

बुखारी ने कहा, "सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री मरियम नवाज के एक बयान को लेकर बेवजह हंगामा खड़ा किया जा रहा है, जिसमें आतंकवाद को लेकर उनकी ओर से जताई गई चिंता को गलत, घिनौने और बेहद घटिया तरीके से प्रांतीय और

राजनीतिक रंग दिया गया है।" उन्होंने आगे कहा कि मरियम को यह मालूम है कि पाकिस्तान को किसी पड़ोसी देश से कोई खतरा नहीं है।

साथ ही बुखारी ने पाकिस्तानी सेना के हालिया प्रदर्शन का भी हवाला देते हुए कहा, "पाकिस्तान सेना ने इस तथ्य को साबित कर दिया है। पाकिस्तान सेना ने पूरी दुनिया को 'हक की लड़ाई' में अपनी जीत दिखाई है।" पाकिस्तानी प्रांत पंजाब की मंत्री ने आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने को लेकर पंजाब सरकार की ओर से उठाए गए कदमों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पूरे पंजाब में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आतंकवादियों तथा प्रतिबंधित संगठनों पर नजर बनाए रखने का काम करने वाले क्राइम कंट्रोल डिपार्टमेंट (CCD) का पुनर्गठन किया है। उन्होंने कहा, "CCD, जो पूरे पंजाब में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आतंकवादियों और प्रतिबंधित संगठनों पर नजर रखने के लिए जिम्मेदार क्राइम कंट्रोल एजेंसी है, जिसका मुख्यमंत्री मरियम ने पुनर्गठन किया है।"

उनके बयान पर आखिर कैसी आपत्ति: बुखारी

मंत्री बुखारी ने बताया कि मरियम ने लाहौर में आयोजित AI हब का उद्घाटन के दौरान अपने संबोधन में किसी पड़ोसी देश की जगह अपने ही दूसरे प्रांतों से पंजाब में घुसने वाले आतंकवादियों से पैदा होने वाले खतरों का जिक्र कर रही थीं। उन्होंने आगे कहा, "AI हब के उद्घाटन के दौरान, उन्होंने कहा था कि खतरा पड़ोसी देश से नहीं, बल्कि दूसरे प्रांतों से आने वाले आतंकवादियों से है।" हालांकि इस बयान को लेकर पाकिस्तान में मचे बवाल पर सवाल उठाते हुए बुखारी ने कहा, "मुझे समझ नहीं आता कि इसमें क्या आपत्ति है। उनके इस बयान पर 'इंडिया कार्ड' खेला गया है।"

CM मरियम ने सुरक्षा को लेकर क्या कहा

पड़ोसी मुल्क के राज्य पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम ने पिछले हफ्ते शनिवार को कहा था कि उनके राज्य को "पड़ोसी देशों की तुलना में पड़ोसी प्रांतों" से अधिक सुरक्षा खतरा है। आतंकवाद पंजाब में प्रांतीय सीमाओं के जरिए घुसता है। उन्होंने कहा, "दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि पंजाब को जो खतरा है, वह मेरे पड़ोसी देशों से कम और मेरे पड़ोसी राज्यों से कहीं अधिक है।" उन्होंने यह भी कहा, "आतंकवाद वहीं से पंजाब में घुसता है। सबकी नजरें पंजाब पर हैं, लेकिन ऊपरवाले का शुक्र है कि यह पंजाब सुरक्षित है। हम पर जिस तरह का खतरा है वह हमारी सभी प्रांतीय सीमाओं से आते हैं।"

नोएडा डीएम मेधा रूपम पर हमलावर महुआ मोइत्रा, पिता ज्ञानेश कुमार को भी घसीटा

नई दिल्ली, एजेंसी। गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम को आकृति चौधरी की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की कड़ी फटकार के बाद अब तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने उन पर निशाना साधा है। महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मेधा रूपम पर तीखी टिप्पणी करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि मेधा रूपम, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बेटी हैं और दोनों की कार्यशैली को लेकर सवाल उठाए। महुआ ने आकृति चौधरी की हिरासत को लोकतांत्रिक व्यवस्था और कानूनी प्रक्रिया से जोड़ते हुए इसे शर्मनाक बताया।

महुआ मोइत्रा ने अपनी पोस्ट में लिखा कि जैसा शर्मनाक पिता, वैसी ही शर्मनाक बेटी- लोकतंत्र और कानून की उचित प्रक्रिया के लिए कलंक। नोएडा की जिलाधिकारी मेधा रूपम, मशहूर चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की मशहूर बेटी हैं। हमें भारत को इस बुराई से मुक्त करने की जरूरत है।

आकृति चौधरी की हिरासत पर हाईकोर्ट नाराज

मामला 24 वर्षीय दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा आकृति चौधरी की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत से जुड़ा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार और गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि NSA जैसे सख्त कानून के तहत किसी व्यक्ति को हिरासत में रखने के लिए ठोस और विश्वसनीय आधार होना जरूरी है। कोर्ट के मुताबिक आकृति चौधरी को लगातार जेल में रखना उसके संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले मौलिक अधिकारों का उल्लंघन था।

कोर्ट ने पांच लाख रुपये मुआवजा देने को कहा

हाईकोर्ट ने आकृति चौधरी को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। अदालत ने आदेश दिया कि इस रकम की वसूली जिलाधिकारी मेधा रूपम और SHO स्तर तक के संबंधित अधिकारियों के वेतन से की जाए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि जब किसी नागरिक की स्वतंत्रता का बिना पर्याप्त आधार और उचित कानूनी प्रक्रिया के उल्लंघन होता है, तो न्यायपालिका पीड़ित को राहत देने के लिए सख्त कदम उठा सकती है।

'अपनी निष्ठा संविधान के प्रति रखिए'

सुनवाई के दौरान पीठ ने प्रशासनिक अधिकारियों के रवैये को लेकर भी गंभीर टिप्पणी की। अदालत ने चेताया कि यदि नौकरशाही मनमाने तरीके से काम करती रही और नागरिकों की स्वतंत्रता पर लगातार अंकुश लगाया गया, तो उत्तर प्रदेश एक ऐसे दमनकारी समाज की ओर बढ़ सकता है जहां लोगों की गतिविधियों पर हर समय निगरानी का माहौल बने। अदालत ने अधिकारियों को यह भी याद दिलाया कि उन्हें अपनी निष्ठा संविधान के प्रति रखनी चाहिए, न कि किसी राजनीतिक नेता या सत्ता में बैठे व्यक्ति के प्रति। कोर्ट ने कहा कि लोकतंत्र में अधिकारी जनता के सेवक हैं और जनता ही सर्वोच्च है।

अप्रैल में प्रदर्शन के दौरान हुई थी गिरफ्तारी

आकृति चौधरी को अप्रैल 2026 में नोएडा में मजदूरों के विरोध प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किया गया था। बाद में राज्य सरकार ने 13 मई को आकृति चौधरी और पत्रकार सत्य वर्मा के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून यानी NSA लागू किया। हालांकि, अदालत ने अपने 2 सितंबर के 15 पन्नों के आदेश में अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि प्रशासन के पास भले ही व्यापक अधिकार हों, लेकिन उन अधिकारों का इस्तेमाल संविधान और कानून के दायरे में ही होना चाहिए।

गिरफ्तारी के समय को लेकर भी उठा सवाल

अदालत के सामने गिरफ्तारी के समय को लेकर भी विरोधाभास सामने आया। रिकॉर्ड के अनुसार आकृति चौधरी को 11 अप्रैल की शाम करीब साढ़े पांच बजे नोएडा के बॉटिनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था। दूसरी ओर, राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि उनकी गिरफ्तारी 12 अप्रैल को हुई थी। इस अंतर को लेकर भी अदालत ने मामले की प्रक्रिया पर सवाल उठाए और अधिकारियों से उपलब्ध रिकॉर्ड तथा कार्रवाई का स्पष्ट आधार बताने को कहा।

हिंसा भड़काने के आरोपों का नहीं मिला ठोस आधार

राज्य सरकार ने आकृति चौधरी और उनके साथियों पर हिंसा भड़काने की साजिश रचने का आरोप लगाया था। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सरकार से बार-बार ऐसी सामग्री पेश करने को कहा, जिससे यह साबित हो सके कि आकृति ने लोगों को हिंसा के लिए उकसाया था। हालांकि, अदालत के मुताबिक सरकार ऐसा कोई ठोस साक्ष्य सामने नहीं रख सकी। कोर्ट ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि पुलिस रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को पर्याप्त सबूत के बिना NSA जैसे कठोर कानून के इस्तेमाल का आधार बनाया गया।

'DM से रिकॉर्ड की गहन जांच की थी उम्मीद'

हाईकोर्ट ने कहा कि NSA के तहत हिरासत का आदेश जारी करने से पहले जिला मजिस्ट्रेट को उपलब्ध रिकॉर्ड और साक्ष्यों की सावधानीपूर्वक जांच करनी चाहिए थी। अदालत के अनुसार, जब पुलिस रिपोर्ट में किसी व्यक्ति के खिलाफ केवल आरोप हों और उन्हें साबित करने के लिए ठोस सामग्री मौजूद न हो, तब जिला मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। कोर्ट ने माना कि इस मामले में हिरासत का आदेश जल्दबाजी में लिया गया और नागरिक की व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े संवेदनशील पहलुओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया।

महुआ के बयान से बढ़ा राजनीतिक विवाद

हाईकोर्ट की टिप्पणियों के बाद महुआ मोइत्रा के बयान ने इस मामले को राजनीतिक रंग दे दिया है। उन्होंने मेधा रूपम और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का नाम एक साथ लेते हुए प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। इस पूरे विवाद के केंद्र में अब दो अहम मुद्दे हैं, एक तरफ NSA जैसे कड़े कानून के इस्तेमाल की प्रक्रिया और दूसरी तरफ अधिकारियों की संवैधानिक जवाबदेही। हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणियों और मुआवजे के आदेश के बाद इस मामले ने नागरिक स्वतंत्रता और प्रशासनिक अधिकारों को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

डीप नेक हॉल्टर टॉप में कंगना शर्मा का बोल्ड अंदाज, तस्वीरों ने इंटरनेट पर बढ़ाया पारा

एक्ट्रेस और मॉडल कंगना शर्मा अक्सर अपने बेबाक अंदाज और ग्लैमरस स्टाइल स्टेटमेंट को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में कंगना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ बेहद ही आकर्षित और बोल्ड तस्वीरें साझा की हैं, जिन्हें देखकर फैंस के पसीने छूट गए हैं।

कंगना शर्मा ने एक क्लासी ऑलिव ग्रीन लेदर स्टाइल हॉल्टर-नेक टॉप पहना हुआ है। इस टॉप में फ्रंट लेसिंग और डीप प्लंजिंग नेकलाइन दी गई है, जो उनके लुक को बेहद हॉट और सिज़लिंग बनाती है।

इस बोल्ड टॉप को बैलेंस करने के लिए कंगना ने ऊपर से एक ऑफ-वाइट ओवरसाइज़्ड ब्लेज़र पेयर किया है, जिसके कफ्स पर फ्लोरल प्रिंट की डिटेलिंग है। इसके साथ ही उन्होंने मैचिंग वाइट रिब्ड प्लीटेड फ्लेयर्ड पैंट्स पहनी है, जिसका बॉटम फ्रिंज स्टाइल में है।

हाथ में स्नेक-स्किन हैंडबैग और प्लेटफॉर्म स्नीकर्स कंगना शर्मा के इस ट्रैवल-रेडी-ग्लैम लुक को परफेक्ट फिनिश दे रहे हैं।

ग्लैमरस आउटफिट के साथ-साथ कंगना की एक्सेसरीज भी ध्यान खींचती हैं। उन्होंने गले में डबल-लेयर पर्ल नेकलेस पहना है, जो उनके डीप-नेक टॉप को एक रॉयल और एलिगेंट टच देता है। आंखों पर पहना गया थिन स्लिम ब्लैक रेक्टेंगुलर सनग्लासेज उनके लुक में एक रेट्रो-चीक वाइब जोड़ता है।

कंगना का हेयरस्टाइल और मेकअप उनके ओवरऑल अवतार में चार चांद लगा रहा है। हेयरस्टाइलः उन्होंने अपने बालों को सॉफ्ट वेव्स और हाइलाइट्स के साथ खुला रखा है। माथे पर फ्रंट बैंग्स उनके चेहरे के कटआउट्स को बेहद खूबसूरती से फ्रेम कर रही हैं।

न्यूड-पिंक लिपस्टिक, ग्लोइंग बेस, डिफाइंड आइब्रो और हल्का आई-मेकअप कंगना के लुक को काफी क्लासी और नेचुरल दिखा रहा है।

तस्वीरों में कंगना शर्मा का हर एक पोज कैमरे के सामने उनकी ग्रेस और बोल्डनेस को बयां करता है। किसी तस्वीर में वे चश्मे को नीचे खिसकाकर सीधे कैमरे में इंटेंस और सिडक्टिव लुक दे रही हैं, तो किसी में चेयर पर बैठकर अपना अटिट्यूड और टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं।

साउथ सिनेमा अपनी जड़ों से जुड़ा, यही उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती : नैला ग्रेवाल

बरेली की बर्फी, थप्पड़ और तमाशा जैसी फिल्मों में काम कर चुकी अभिनेत्री नैला ग्रेवाल आगामी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म राका में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि साउथ इंडस्ट्री के लोग अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हुए हैं और अपनी फिल्मों के जरिए इसको दिखाते हैं। अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरती यह है कि वे अपने कल्चरल ताने-बाने और जड़ों से बहुत जुड़े रहते हैं। वे अपनी फिल्मों और सक्रिप्ट के जरिए अपने कल्चरल ताने-बाने को इतनी खूबसूरती से दिखाते हैं, जिससे हर तरह के लोग उनके सिनेमा की ओर खींचा चला आता है। मुझे लगता है कि यही उनकी खूबसूरती है कि वे असल में जैसे हैं, वैसे ही है। साथ ही, उनकी राइटिंग और सक्रिप्टिंग भी बहुत अच्छी है। नैला ग्रेवाल ने फिल्म राका की हिंट देते हुए कहा, आपने अभी तक फिल्म को लेकर जो कुछ भी देखा, उससे भी कई ज्यादा एक्साइटिंग होने वाला है। यह मेरे लिए बहुत खास सफर है।

अभिनेत्री ने अपने सिनेमाई सफर को याद करते हुए कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि शुरुआत में ही उन्होंने रणबीर कपूर, रवि किशन समेत कई टैलेंटेड एक्टर्स के साथ काम किया है, जिनसे मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला।

उन्होंने कहा, राका भी बहुत बढ़िया फिल्म है और इसमें मैंने प्रेरणादायक एक्टर्स के साथ काम किया है। जब आप दिलचस्प एक्टर्स के साथ काम करते हैं, तो एक अलग लेवल का चैलेंज होता है। वह चैलेंज प्रोजेक्ट, आपके कैरेक्टर और आपके पूरे अनुभव को और भी बेहतर बनाता है। इतनी शानदार स्टार कास्ट के साथ काम करने के बारे में मुझे ऐसा ही लगता है।

एटली कुमार के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन और एक्शन ड्रामा फिल्म राका में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और रिपोर्ट्स के अनुसार वह इसमें ट्रिपल रोल (तीन अलग-अलग किरदार) निभा सकते हैं। उनके साथ लीड रोल में दीपिका पादुकोण, रश्मिका मंदाना, जान्हवी कपूर, मृणाल ठाकुर और ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसे कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

यह फिल्म टाइम ट्रैवल, मल्टीवर्स और पुनर्जन्म जैसे अनोखे और बड़े कॉन्सेप्ट पर आधारित बताई जा रही है। अल्लू अर्जुन के पहले लुक पोस्टर में उनका एक बहुत ही अलग और खतरनाक अंदाज (जंगली या वेयरवुल्फ जैसा लुक) देखने को मिला है।

वीर पहाड़िया की फिल्म प्रेम कीटाणु का ऐलान, 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

बॉलीवुड निर्माता गौरव वर्मा ने अपने नवस्थापित बैनर, अवनिका फिल्म्स की पहली फिल्म प्रेम कीटाणु का ऐलान किया है, जिसमें वीर पहाड़िया मुख्य किरदार में नजर आएंगे। फिल्म को फार्स फिल्म्स के साथ सह-प्रस्तुत किया गया है। इसके निर्देशन की कमान अपूर्व सिंह कार्की ने उठाई है, जिन्हें सिर्फ एक बंदा काफी है और एस्पिरेंट्स के निर्देशन के लिए जाना जाता है। वीर के अलावा, फिल्म में अपारशक्ति खुराना, आफिया सैयद, राकेश बेदी और निखिल विजय भी मौजूद हैं।

प्रेम कीटाणु का ऐलान करते हुए निर्माताओं ने इसका पहला पोस्टर भी जारी किया है। इसकी कहानी आज के युवा, उनकी ख्वाहिशों और प्यार व जिंदगी में उनके संघर्षों को एक मजेदार अंदाज में पेश करेगी।

अक्षय कुमार अभिनीत स्काई फोर्स (2025) के बाद, वीर दूसरी बार बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं।।

फिल्म 2 अक्टूबर, 2026 को गांधी जयंती के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका टकराव अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 3 के साथ होगा।

इसकी कहानी युवाओं की आकांक्षाओं, रिश्तों और रोजमर्रा की चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती इस फिल्म की कहानी एक दिल छू लेने वाली और रिलेटेबल एंटरटेनर है। हास्य और भावनाओं से भरपूर इस फिल्म में आधुनिक जीवन और प्यार को एक नए नजरिए से पेश करने की कोशिश भी की गई है।

ऐसे में यह कहा जाए तो गलत नहीं होगा कि 'प्रेम कीटाणु' वीर पहाड़िया को उनके डेब्यू 'स्काई फोर्स' से बिल्कुल अलग अंदाज में पेश करेगी। 'स्काई फोर्स' में उन्होंने भारतीय वायुसेना के अधिकारी टी. विजया का किरदार निभाया था। ऐसे में देशभक्ति और एक्शन से भरपूर ड्रामा के बाद अब युवा और रिश्तों पर आधारित एंटरटेनर का हिस्सा बनना दिखाता है कि वीर अपने करियर के शुरुआती दौर में ही अलग-अलग तरह के किरदार और जॉनर तलाश रहे हैं।

जैसा कि वीर की आगामी फिल्मों की लिस्ट में डार्क एक्शन थ्रिलर 'नाम – टू लिव इज़ वॉर' भी शामिल है। महेश भट्ट द्वारा प्रस्तुत और सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वीर के साथ वरुण शर्मा नजर आएंगे, जो पहली बार नेगेटिव भूमिका में दिखाई देने की उम्मीद है। फिल्म का निर्माण रिद्धि चावड़ा और उत्सव उपाध्याय कर रहे हैं।

'प्रेम कीटाणु' और 'नाम – टू लिव इज़ वॉर' के जरिए वीर पहाड़िया दो बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया का हिस्सा बन रहे हैं। एक ओर जहां 'प्रेम कीटाणु' रोमांस, हास्य और युवा भारत की रोजमर्रा की वास्तविकताओं को सामने लाएगी, वहीं 'नाम – टू लिव इज़ वॉर' में उनका एक इंटेंस और रग्ड एक्शन अवतार देखने को मिलेगा।

'स्काई फोर्स' के बाद इन दोनों फिल्मों की घोषणा वीर पहाड़िया के करियर के अगले चरण की ओर इशारा करती है, जहां अभिनेता किसी एक इमेज तक सीमित रहने के बजाय अलग-अलग जॉनर और किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

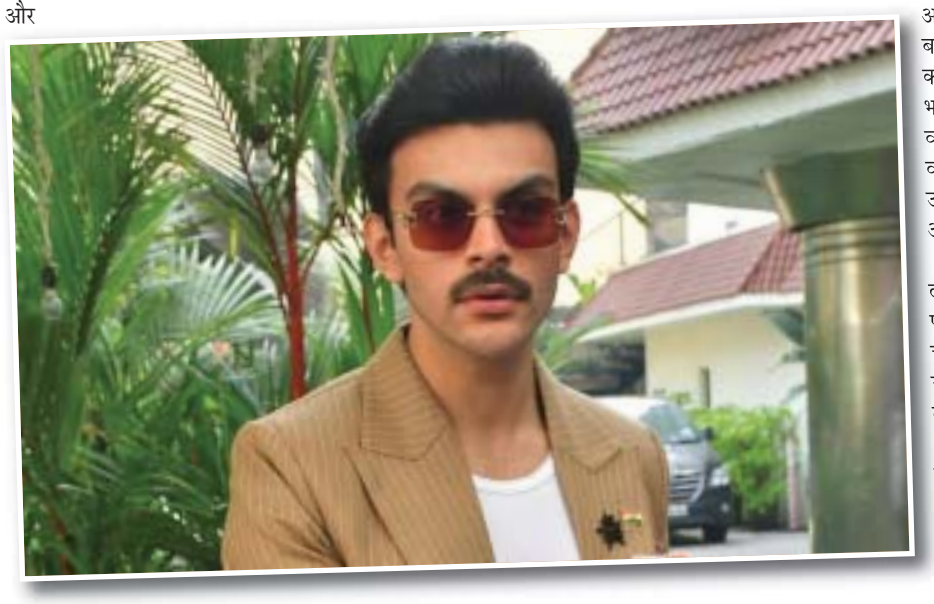

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com